Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर

वर्ष : 03

अंक : 172

पृष्ठ : 8

मूल्य : 2.00

बुधवार,21 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

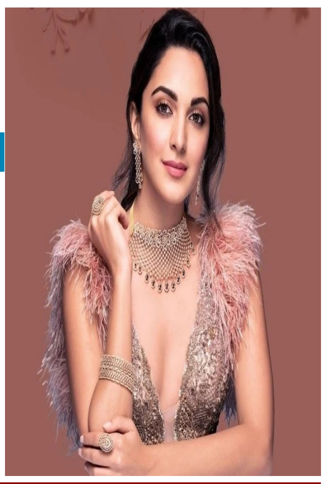

2 2026 से तथा गोमतीनगर से 01 फरवरी, 2026 से | 5 तिरंगा ढोकला बनाने का सबसे सही और आसान | 7 उन्होंने इतना गंदा एक्सप्रेशन दिया..शख्स ने

भाजपा में 'नबीन' युग का आगाज

45 साल में बने सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष, पीएम - राजनाथ सिंह के सामने ग्रहण किया पदभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेपी नड्डा के बाद पार्टी की कमान किसके हाथ? इस सवाल पर चल रही चचाओं का अंत हो गया है। बिहार के युवा नेता नितिन नबीन को भारतीय जनता पार्टी का 12वां राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। सोमवार को पूरी हुई नामांकन प्रक्रिया में उनके अलावा कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था, इसलिए मंगलवार (20 जनवरी 2026) को उन्होंने निर्विरोध रूप से अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। यह ऐतिहासिक बदलाव पार्टी में पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन का संकेत है। 45 वर्षीय नितिन नबीन भाजपा के इतिहास में सबसे कम उम्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन रहे हैं। वे 14 दिसंबर 2025 से राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर थे, और अब पूर्णकालिक अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। नामांकन में भारी समर्थन पार्टी मुख्यालय में सोमवार दोपहर दो से शाम चार बजे तक चली नामांकन प्रक्रिया में नितिन नवीन के पक्ष में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल हुए। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 37 सांसदों के हस्ताक्षर वाले एक सेट भी शामिल था, जो संसदीय बोर्ड की ओर से प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण ने सभी नामांकन वैध पाए जाने की पुष्टि की और शाम पांच बजे नामांकन वापसी की समयसीमा समाप्त होने के बाद घोषणा की कि केवल एक ही उम्मीदवार यानी नितिन नवीन ही हैं। आज पदभार ग्रहण का कार्यक्रम मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक विशेष समारोह होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। जेपी नड्डा नितिन नबीन को औपचारिक रूप से पदभार सौंपेंगे। नितिन नबीन बिहार से पांच बार विधायक रह चुके हैं और पूर्व मंत्री भी। वे युवा मोर्चा से निकले संगठनकर्ता के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने पार्टी के ग्राउंड लेवल को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह नियुक्ति पार्टी की रणनीति को नई ऊर्जा देने और आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावों के लिए तैयार करने का संकेत मानी जा रही है।

13 साल में बदल दिए 17 निदेशक, 18वें का नियम विरुद्ध तबादला निरस्त

एक साल भी नहीं टिक पा रहा कोई

देहरादून (एजेंसी)। विभागों में हर साल करोड़ों के लेन-देन का हिसाब-किताब रखने वाले प्रदेश के ऑडिट निदेशालय में कोई निदेशक एक साल टिक ही नहीं पा रहा। आलम ये है कि 13 साल में सरकार ने यहां 17 निदेशक बदल दिए। अब 18वां बदला गया था, जो आदेश नियमविरुद्ध होने के चलते सोमवार को रद्द कर दिया गया। राज्य स्थापना के बाद ऑडिट एक अनुभाग था, जो कि कोषागार एवं वित्त सेवाएं के अधीन था। दिसंबर 2012 में ऑडिट एक्ट पारित होने के बाद प्रदेश में स्वतंत्र ऑडिट निदेशालय बन गया। पहली तैनाती आईएएस सौजन्या को दी गई थी, जिनका कार्यकाल 18 दिसंबर 2012 से एक दिसंबर 2013 तक ही रहा। इसके बाद से सिलसिलेवार निदेशक बनते रहे और समय-समय पर हटाए जाते रहे। दिसंबर 2025 तक 17 निदेशक बदले गए।दो दिन पहले शासन ने ऑडिट निदेशालय में वित्त सेवा के अधिकारी अपर सचिव मनमोहन मैनाली को 18वें निदेशक के तौर पर ट्रांसफर किया लेकिन यह एक्ट उल्लंघन था। 30 नवंबर 2018 को विभागीय ढांचे में निदेशक का पद आईएएस संवर्ग का किया गया था जबकि मैनाली वित्त सेवा के थे। लिहाजा, सोमवार को शासन ने यह तबादला आदेश रद्द कर दिया। फिलहाल यहां 17वें निदेशक के तौर पर आईएएस दिलीप जावलकर तैनात हैं। उत्तराखंड कार्मिक एकता मंच के संस्थापक रमेश चंद्र पांडे का आरोप है कि बार-बार निदेशक बदलने से कामकाज प्रभावित हो रहा है।

ममता के फोर्ट विलियम अफसर बयान पर सेना ने राज्यपाल से की शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)।। पश्चिम बंगाल की राजनीति इन दिनों गरमाई हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के फोर्ट विलियम के एक वरिष्ठ सेना अधिकारी पर आरोपों के बाद विवाद चरम पर पहुंच गया है। ममता ने हाल ही में कहा कि अधिकारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास के दौरान भाजपा के समर्थन में काम कर रहे हैं और फोर्ट विलियम का कमांड बेस राजनीतिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय सेना ने राज्यपाल से हस्तक्षेप की अपील की इस बयान के बाद भारतीय सेना की ईस्टर्न कमांड ने पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंदा बोस से हस्तक्षेप की अपील की। जानकारी के अनुसार, दो सेना जनरलों ने पिछले सप्ताह राज्यपाल से मुलाकात कर ममता के आरोपों के खिलाफ अपनी आपत्ति दर्ज कराई। लोक भवन के अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल ने इस मामले को गंभीरता से लिया और इसे केंद्र सरकार के संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाया। मामले की जांच की जाएगी- राज्यपाल आनंदा बोस राज्यपाल बोस ने कहा पहले मैं खुद सत्यापन करूंगा कि क्या मुख्यमंत्री ने कोई संवैधानिक नियमों का उल्लंघन किया है। यदि ऐसा है, तो मैं निश्चित रूप से हस्तक्षेप करूंगा। वहीं, फोर्ट विलियम के वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि राज्यपाल से बैठक हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जाएगी।

गुजरात के मछुआरे की पाकिस्तानी जेल में मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के एक मछुआरे की कराची जेल में 16 जनवरी को मौत हो गई। एक कार्यकर्ता ने बताया कि 2022 में पाकिस्तानी एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा रेखा अनजाने में पार करने के बाद पकड़ लिया था। उसने लगभग तीन साल पहले ही अपनी सजा पूरी कर ली थी। पाकिस्तान के जेलों में बंद अन्य लोगों की रिहाई की मांग उसकी मौत के एक महीने से भी कम समय बाद मछली पकड़ने वाले समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर पाकिस्तानी जेलों में बंद ऐसे लोगों की रिहाई में तेजी लाने का अनुरोध किया था। शांति कार्यकर्ता जतिन देसाई ने सोमवार को बताया कि 16 जनवरी को कराची की मलिर जेल में एक मछुआरे की मौत हो गई। यह कार्यकर्ता उन भारतीय मछुआरों के मुद्दे को उठा रहे हैं, जिन्हें मछली पकड़ने के दौरान अनजाने में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने के बाद पाकिस्तान में पकड़कर जेल में डाल दिया जाता है।

'सीजीएचएस' के ओपीडी शुल्क में बदलाव, 47 लाख लाभार्थियों को अब देना होगा इतना परामर्श शुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना 'सीजीएचएस' के ओपीडी शुल्क में बदलाव किया गया है। भारत सरकार के 'स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय' के (ईएचएस अनुभाग) द्वारा ओपीडी परामर्श शुल्क को लेकर सीजीएचएस की नई दरों के संबंध में कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया है। केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना 'सीजीएचएस' के ओपीडी शुल्क में बदलाव किया गया है। भारत सरकार के 'स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय' के (ईएचएस अनुभाग) द्वारा ओपीडी परामर्श शुल्क को लेकर सीजीएचएस की नई दरों के संबंध में कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया है। इसमें दिए गए स्पष्टीकरण के मुताबिक, सीजीएचएस के 47 लाख लाभार्थियों को अब 700 रुपये और 350 रुपये का ओपीडी शुल्क देना होगा।

भाजपा के नए अध्यक्ष की ताजपोशी पर बोले पीएम

विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण कालखंड में भाजपा का नेतृत्व युवा हाथों में

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अगले 25 वर्ष में विकसित भारत का निर्माण होना तय है और इस महत्वपूर्ण कालखंड के प्रारंभ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नेतृत्व नितिन नबीन जैसा युवा नेता संभाल रहा है। पीएम मोदी ने पार्टी के मुख्यालय पर आयोजित भाजपा संगठन पर्व समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसी समारोह में नबीन ने पार्टी के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाला। वह सोमवार को संगठनात्मक चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किये गये। पीएम मोदी ने कहा, अगले 25 वर्ष भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कालखंड है। इसमें विकसित भारत का निर्माण होना है। उन्होंने जोर देकर कहा, ₹विकसित भारत का निर्माण होना तय है।₹ प्रधानमंत्री ने कहा कि नबीन एक तरह से मिलेनियल जेनरेशन के हैं और उन्होंने अपने आँखों के सामने भारत में बहुत बड़े बदलाव होते देखा है। पीएम मोदी ने कहा कि उनके लिए यह बड़ी बात नहीं है कि वह शासनाध्यक्ष कहे जाते हैं, बल्कि उनके जीवन में उनके लिए सबसे बड़े गर्व बात है कि वह भाजपा के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि बीते कई महिनों से पार्टी की छोटी इकाई से लेकर अध्यक्ष के चुनाव की व्यापक प्रक्रिया शत-प्रतिशत लोकतांत्रिक तरीके से और पार्टी की संविधान की भावना के साथ संपन्न हुआ है। चुनाव प्रक्रिया के विधिपूर्वक समापन पर पार्टी ने आज संगठन पर्व का आयोजन किया। इससे पहले मोदी ने पार्टी के नये अध्यक्ष को दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल का अध्यक्ष चुने जाने के लिए बधाई दी और उनके गले में गमछा डालकर उनका स्वागत किया। पार्टी के निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि नितिन नबीन मूलतः कार्यकर्ता हैं, वैचारिक पृष्ठभूमि पर परिपक्व हैं और बहुत ही छोटी उम्र में पांच बार विधायक रह चुके हैं और वर्तमान में भी विधायक हैं।

कार्यकर्ताओं में जोश... गुजरात में बदलाव होगा:केजरीवाल

वडोदरा में आप का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन

अहमदाबाद (एजेंसी)। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया- कार्यकर्ताओं का जोश और जज्बा बता रहा है कि गुजरात में बदलाव होकर रहेगा। सम्मेलन में साफ दिखा कि अब गुजरात डर से नहीं, हक और सम्मान की राजनीति से चलेगा। वडोदरा में आम आदमी पार्टी का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया- कार्यकर्ताओं का जोश और जज्बा बता रहा है कि गुजरात में बदलाव होकर रहेगा। सम्मेलन में साफ दिखा कि अब गुजरात डर से नहीं, हक और सम्मान की राजनीति से चलेगा। 30 साल की नाकामी, भ्रष्टाचार और दमन के खिलाफ अब जमीन से उठी आवाज भाजपा की नींद उड़ाने वाली है। उन्होंने कहा कि गुजरात कभी देश का सबसे समृद्ध राज्य था लेकिन अब भाजपा शासन में किसान, युवा और गरीब सभी पीड़ित हैं। केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी 2027 के गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर देगी। उन्होंने कहा, इन 30 साल में उन्होंने सबकुछ बर्बाद कर दिया और समाज के हर वर्ग का अपमान किया। यह लड़ाई सत्ता की नहीं, गुजरात के सम्मान की, गुजरातियों के आत्मसम्मान की लड़ाई है। यह किसी एक पार्टी को सत्ता से हटाकर दूसरी को सत्ता में लाने की लड़ाई नहीं है। केजरीवाल ने सभा को संबोधित करने से पहले 18 जनवरी, 2024 को हरनी झील में हुए नौका हादसे के पीड़ित परिजनों से मुलाकात की।इस हादसे में 12 स्कूली बच्चों और दो शिक्षकों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, उन्हें (सत्तारूढ़ भाजपा) आपकी परवाह नहीं, सिर्फ ठेकेदारों की परवाह है। 12 बच्चों की जान चली गई लेकिन किसी को मुआवजा नहीं मिला, किसी को सजा नहीं मिली। केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि इस घटना से जुड़े दो परिवारों की महिलाएं मुख्यमंत्री की बैठक में गई थीं लेकिन पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया और दो दिन बाद उनके घर गिरा दिए। उन्होंने कहा कि गुजरात का आदिवासी क्षेत्र सबसे पिछड़ा हुआ है और इसके विकास के लिए आवंटित धनराशि को अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब अनुसूचित जनजाति आरक्षित क्षेत्र देदियापाड़ा से आप विधायक ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत नर्मदा जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली पर खर्च के बारे में जानकारी मांगी तो पता चला कि राज्य के आदिवासी कल्याण कोष से 50 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

राहुल गांधी का मनरेगा को लेकर सरकार पर निशाना

गरीबों को भूखा रखना चाहते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनरेगा को खत्म करके सरकार वीबी-जी-राम-जी नाम से एक नया कानून लेकर आई है। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गाधी ने मोदी सरकार पर गरीबों के बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। मनरेगा के विरोध में कांग्रेस देश भर में मनरेगा बचाओ अभियान चला रही है। मनरेगा पर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता को केंद्रीकृत करने, इसे नौकरशाही को सौंपने और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मनरेगा का मकसद बेरोजगार ग्रामीणों को पैसे कमाने का जरिया देना था। लेकिन प्रधानमंत्री ऐसा नहीं चाहते, वे सत्ता को केंद्रीकृत करना चाहते हैं और इसे नौकरशाही को सौंपना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मरेने के लिए छोड़ना चाहते हैं। एक्ट में सुधार के नाम पर गरीबों का सुरक्षा कवच हटाया गया है। उन्होंने एक्ट से महात्मा गांधी के नाम को हटाने की भी निंदा की। कांग्रेस सांसद अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज उन्होंने राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी रायबरेली द्वारा आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही वे मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ जनसभा को संबोधित करेंगे। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के कामों का भी उद्घाटन करेंगे। दूसरे दिन के लिए, कांग्रेस सांसद की अपने गेस्ट हाउस में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक करेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि नए कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए एक व्यापक कार्यक्रम की योजना बनाई गई है।

पार्टी को नई ऊर्जा व दिशा देंगे नितिन नबीन : भाजपा अध्यक्ष बनने पर सीएम योगी ने दीं शुभकामनाएं

महाराष्ट्र में जीत पर ओवैसी बोले- यह किस्मत नहीं मेहनत, घुसपैठ समेत इन मुद्दों की खुलकर बात

हैदराबाद। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र नगर निकाय चुनावों में पार्टी की जीत को किस्मत बताने वालों को कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यह कहना वोटरों का अपमान है, जो लोग ऐसी बातें कह रहे हैं, वे सिर्फ अपने घमंड की वजह से ऐसा कर रहे हैं। वे कभी नहीं सुधरेंगे। महाराष्ट्र में मिली जीत को बताया मेहनत महाराष्ट्र निकाय चुनावों में मनसे और एनसीपी-एससी से ज्यादा सीटें मिलने पर ओवैसी ने कहा कि हम वहां कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम मीडिया और जनता को एक ही संदेश देते हैं, और उसका जनता पर असर होता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस प्रदर्शन के बाद वे महाराष्ट्र में मुसलमानों के सबसे बड़े नेता बन गए हैं, तो उन्होंने साफ मना कर दिया। ओवैसी ने कहा, ₹मैं न तो मुसलमानों का नेता हूं और न ही बनना चाहता हूं। हमारी कोशिश सैकड़ों नए नेता बनाने की है जो भविष्य में नेतृत्व करेंगे।₹ बीजेपी के साथ मिलीभगत पर क्या बोले ओवैसी? बीजेपी के साथ 'मैच-फिक्सिंग' के आरोपों पर ओवैसी ने कहा मैं चुनाव लड़ता रहूंगा। मेरे खिलाफ नफरत और आरोप बताते हैं कि मैं सफल हो रहा हूं। लोग डरते हैं कि एआईएमआईएम राजनीतिक संतुलन बिगाड़ रही है।

'राज्य पुलिस कर सकती है केंद्रीय कर्मचारियों की जांच', भ्रष्टाचार के मामले में 'सुप्रीम' फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाटार में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि राज्य पुलिस केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ रिश्वत और भ्रष्टाचार के मामलों में जांच कर सकती है और चार्जशीट दाखिल कर सकती है। इसके लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कोई अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि भ्रष्टाचार और रिश्वत के मामलों की जांच न सिर्फ सीबीआई, बल्कि राज्य पुलिस या किसी अन्य पुलिस एजेंसी भी कर सकती है। कोर्ट ने यह भी बताया कि ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि काम दोहराने से बचा जा सके। आम तौर पर सीबीआई केंद्रीय कर्मचारियों के मामलों की जांच करती है और राज्य की एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) राज्य कर्मचारियों के मामलों की। सर्वोच्च अदालच ने हाईकोर्ट के फैसले को रखा बरकरार मामले में सुनवाई करते के बाद आया सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए आया है। बता दें कि इससे पहले इस मामले में हाईकोर्ट ने भी माना था कि राजस्थान एसीबी केंद्रीय कर्मचारी के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज कर सकती है। इस दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह गलत है कि केवल सीबीआई ही मुकदमा दर्ज कर सकती है। इससे राज्य पुलिस की शक्तियों को भी कानून के तहत मान्यता मिल गई है। यह फैसला भ्रष्टाचार से निपटने में राज्य और केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारों को लेकर एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

2026 से तथा गोमतीनगर से 01 फरवरी, 2026 से निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 15949/15950 डिब्रुगढ़-गोमती नगर-डिब्रुगढ़ अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचलन डिब्रुगढ़ से 30 जनवरी, 2026 से तथा गोमतीनगर से 01 फरवरी, 2026 से निम्नवत किया जायेगा। 15949 डिब्रुगढ़-गोमती नगर अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस 30 जनवरी, 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को डिब्रुगढ़ से 21.00 बजे प्रस्थान कर मराणहाट से 21.37 बजे, शिमलगुड़ी जं. से 22.25 बजे, मरियानी से 23.25 बजे दूसरे दिन फरकाटिंग से 00.42 बजे, दीमापुर से 02.40 बजे, दीफू से 03.15 बजे, लामडिंग से 04.10 बजे, होजाई से 05.02 बजे, चापरमुख से 05.37 बजे, जागी रोड से 06.05 बजे, गुवाहाटी से 07.45 बजे, कामाख्या से 08.02 बजे, रंगिया से 08.52 बजे, नलबाड़ी से 09.10 बजे, बरपेटा रोड से 09.46 बजे, न्यू बंगाईगाँव से 10.40 बजे, कोकराझार से 11.22 बजे, न्यू अलीपुरद्वार से 12.27 बजे, न्यू कोच बिहार से 12.47 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 15.10 बजे, अलुआबाड़ी रोड से 15.54 बजे तथा किशनगंज से 16.22, बारसोई से 17.22 बजे, कटिहार से 19.30 बजे, नवगछिया से 20.15 बजे, खगड़िया से 21.19 बजे, बेगुसराय से 21.51 बजे, बरौनी से 22.35 बजे तीसरे दिन हाजीपुर से 00.23 बजे, सोनपुर से 00.33 बजे, छपरा से 02.50 बजे, सीवान से 03.50 बजे, देवरिया सदर से 04.52 बजे, गोरखपुर से 07.00 बजे, खलीलाबाद से 07.41 बजे, बस्ती से 08.16 बजे, मनकापुर से 09.02 बजे, अयोध्या धाम से 10.10 बजे, अयोध्या कैंट से 10.40 बजे तथा बाराबंकी से 12.38 बजे छूटकर गोमती नगर 13.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 15950 गोमती नगर-डिब्रुगढ़ अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस 01 फरवरी, 2026 से प्रत्येक रविवार को गोमती नगर से 18.40 बजे प्रस्थान कर बाराबंकी से 19.14 बजे, अयोध्या कैंट से 21.40 बजे, अयोध्या धाम से 22.05 बजे, मनकापुर से 22.58 बजे, बस्ती से 23.50 बजे दूसरे दिन खलीलाबाद से 00.18 बजे, गोरखपुर से 02.00 बजे, देवरिया सदर से 03.00 बजे, सीवान से 04.10 बजे, छपरा से 05.20 बजे, सोनपुर से 06.43 बजे, हाजीपुर से 07.00 बजे, बरौनी से 09.15 बजे, बेगुसराय से 09.33 बजे, खगड़िया से 10.25 बजे, नवगछिया से 12.02 बजे, कटिहार से 14.25 बजे, बारसोई से 15.10 बजे, किशनगंज से 15.52 बजे, अलुआबाड़ी रोड से 16.20 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 17.40 बजे, न्यू कोच बिहार से 19.45 बजे, न्यू अलीपुरद्वार से 20.05 बजे, कोकराझार से 21.22 बजे, न्यू बंगाईगाँव से 22.10 बजे, बरपेटा रोड से 22.47 बजे, नलबाड़ी से 23.22 बजे, रंगिया से 23.52 बजे तीसरे दिन कामाख्या से 00.47 बजे, गुवाहाटी से 01.15 बजे, जागी रोड से 02.15 बजे, चापरमुख से 02.47 बजे, होजाई से 03.27 बजे, लामडिंग से 04.45 बजे, दीफू से 05.32 बजे, दीमापुर से 06.25 बजे, फरकाटिंग से 08.02 बजे, मरियानी से 08.50 बजे, शिमलगुड़ी से 10.12 बजे तथा मराणहाट से 11.02 बजे छूटकर डिब्रुगढ़ 12.40 बजे पहुँचेगी। इस अमृत भारत ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 07, साधारण द्वितीय श्रेणी के 10, एस.एल.आर.डी. के 02 तथा पेंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। यह ट्रेन आकर्षण डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत ब्रेक लग सके। इसके सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से युक्त हैं। इस ट्रेन में यात्रा के दौरान आराम का विशेष ध्यान रखा गया है। ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किये जाने से कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना की स्थिति में झटका कम कर देती है। पुश-पुल तकनीक इसकी रफ्तार बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अमृत भारत एक्सप्रेस के कोचों में आधुनिक फीचर में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बेहतर बर्थ सम्मिलित हैं। हर शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर और फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इस ट्रेन में दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, हर यात्री के लिए फास्ट चार्जिंग पोर्ट और पेन्ट्री कार जैसी सुविधाएं यात्रा को और सुखद बनाती हैं।

हाउसफुलः वंदे भारत स्लीपर के टिकट कुछ ही घंटों में बिक गए

गोरखपुर,: कामाख्या (KYQ) और हावड़ा (HWH) के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन (ट्रेन नंबर 27576) की पहली कमर्शियल यात्रा को यात्रियों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। ढफ्र और दूसरी साइट्स के जरिए टिकट रिजर्वेशन शुरू होने के कुछ ही घंटों में सभी सीटें बुक हो गईं। टिकटों का इतनी जल्दी बिक जाना साफ दिखाता है कि यात्री 17 जनवरी, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन की गई वंदे भारत स्लीपर की स्पीड, आराम और आधुनिक सुविधाओं का अनुभव करने के लिए कितने उत्सुक हैं। यह ट्रेन अपनी पहली कमर्शियल यात्रा 22 जनवरी 2026 से कामाख्या से और 23 जनवरी 2026 से हावड़ा से शुरू करेगी। इस नई सर्विस के लिए टिकट बुकिंग 19 जनवरी 2026 को सुबह 08:00 बजे शुरू हुई थी। 24 घंटे से भी कम समय में, सभी क्लास के टिकट पूरी तरह से बिक गए, जो शुरू की गई प्रीमियम सेमी-हाई-स्पीड सर्विस के लिए लोगों के भारी उत्साह को दिखाता है। इस पहली कमर्शियल यात्रा के लिए यह शानदार रिस्पॉन्स तेज, सुरक्षित और ज्यादा आरामदायक रेल यात्रा विकल्पों के लिए यात्रियों की बढ़ती पसंद को दिखाता है। कामाख्या झ्र हावड़ा वंदे भारत स्लीपर से पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी में काफी सुधार होने की उम्मीद है, जो आधुनिक सुविधाएं, बेहतर यात्रा का समय और विश्व स्तरीय द्वारा शुरू की जा रही आधुनिक ट्रेन सेवाओं के प्रति यात्रियों के विश्वास और उत्साह का एक मजबूत सबूत है, जो इस क्षेत्र के लिए प्रीमियम रेल कनेक्टिविटी में एक नया अध्याय है।

पलिया बार एसोसिएशन नें उपजिलाधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुये क्षेत्राधिकारी को सौंपा ज्ञापन

लखीमपुर–खीरी।पलिया तहसील परिसर से कंबल चोरी का मामला दिन प्रतिदिन तूल पकड़ता जा रहा है बार एसोसिएशन पलिया के अधिवक्ताओं नें आज पुनः पलिया तहसील से निकलकर नगर के मुख्य मार्गो पर नारेबाजी करते हुये पुलिस क्षेत्राधिकार पलिया को प्रथम सूचना रिपोर्ट अंकित करने हेतु तहरीर दी गई।कंबल चोरों होश में आओ, रिश्वतखोर तेरे बच्चे बनेंगे चोर के लगाए नारे आदि नारेबाजी करते हुये अधिवक्ताओं ने तहसील प्रशासन के विरुद्ध कड़ा विरोध प्रकट किया गया।

विधायक रोमी साहनी ने गरीबों के इलाज के लिए दिये 60 हजार

विधायक रोमी साहनी ने क्षेत्र में पीड़ित मरीजों को दी आर्थिक सहायता

पलियाकलां–खीरी।जिले की पलिया विधानसभा से विधायक रोमी साहनी नें क्षेत्रीय ग्राम विष्णूपुर, बबौरा में बीमार हरद्वारी निषाद पुत्र जंगली प्रसाद को इलाज कराने के लिये पंद्रह हजार रुपए, ग्राम बिजोरिया की राधा पत्नी नीरज को पति के इलाज के लिये दस हजार रुपए, शांती देवी पत्नी जुलई ग्राम मान फार्म ऐंठपुर को बेटे के इलाज के लिए दिये दस हजार रुपये, किशन चौहान पुत्र धर्मेंद्र ग्राम सुरजनपुर सुआबोझ के इलाज के लिए उनके चाचा विपिन को पांच हजार व ग्राम त्रिलोकपुर के रामखेलावन पुत्र द्वारिकाप्रसाद को पांच हजार, पलिया की नूरजहां पत्नी असलम को पांच हजार, सम्पूर्णानगर के विजय पुत्र राजदेव को पांच हजार, ग्राम विशेनपुरी की कांति देवी पुत्री संधू के इलाज के लिये विधायक रोमी साहनी द्वारा पांच हजार रुपयों की आर्थिक प्रदान की गयी। लाभार्थियों नें विधायक का आभार व्यक्त करते हुये उनकी उन्नति का आशीष दिया।

एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी): भारतीय रेल के माध्यम से क्षेत्रीय पहचान को बढ़ावा

एक स्टेशन एक उत्पाद 2,000 से अधिक रेलवे स्टेशनों तक विस्तारित, 1.32 लाख कारीगरों को सशक्त बनाया गया और लाखों यात्रियों तक प्रत्येक्ष बाजार पहुंच के माध्यम से भारत की पारंपरिक शिल्पकलाओं को पुनर्जीवित किया गया

गोरखपुरः भारतीय रेल की ह्यएक स्टेशन एक उत्पाद' (ओएसओपी) स्कीम स्थानीय शिल्प कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरी है। यह पूरे देश में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को भारत की समृद्ध क्षेत्रीय विविधता के जीवंत प्रदर्शन केंद्रों में बदलना है। स्थानीय विरासत को राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ एकीकृत करके, ओएसओपी न केवल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाता है बल्कि समावेशी आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है। 19 जनवरी 2026 तक, 2,002 स्टेशनों पर ओएसओपी (एक स्टेशन एक उत्पाद) आउटलेट स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से कुल 2,326 आउटलेट कार्यरत हैं। ये आउटलेट हजारों स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे उत्पादकों के लिए आजीविका का स्रोत बन गए हैं, जिनका अब प्रतिदिन लाखों यात्रियों से सीधा संपर्क है। इसके अतिरिक्त, 2022 में ओएसओपी की शुरूआत के बाद से, इस पहल ने पूरे भारत में 1.32 लाख से अधिक लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक अवसर सृजित किए हैं। आंकड़ों के अतिरिक्त, ओएसओपी उन पारंपरिक शिल्पों और क्षेत्रीय विशिष्टताओं को पुनर्जीवित करने में मदद कर रहा है जो कभी लुप्त हो रही थीं। पूर्वोत्तर में हस्तनिर्मित मिट्टी के बर्तनों और बांस की कलाकृतियों से लेकर अन्य क्षेत्रों में मसालों, हथकरघा उत्पादों और स्थानीय मिठाइयों तक, ये उत्पाद यात्रियों को प्रत्येक क्षेत्र का सारतत्व प्रदान करते हैं। वाणिज्य के साथ संस्कृति को समेकित करके, भारतीय रेल ने स्टेशनों को स्थानीय उद्यम के केंद्रों में बदल दिया है। 'एक स्टेशन एक उत्पाद' पहल ₹वोकल फॉर लोकल₹ का एक सच्चा उदाहरण है, जो समुदायों को सशक्त बनाने के साथ-साथ देश में यात्रियों के यात्रा अनुभव को समृद्ध करती है।

अस्थाई ठहराव इज्जतनगर मंडल के अरौल मकनपुर स्टेशन पर निम्नवत प्रदान किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा बसंत पंचमी मेला के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु निम्नलिखित गाड़ियों का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव इज्जतनगर मंडल के अरौल मकनपुर स्टेशन पर निम्नवत प्रदान किया जायेगा।

-कासगंज से 21 जनवरी से 03 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15037 कासगंज-कानपुर अनवरगंज एक्सप्रेस अरौल मकनपुर स्टेशन पर 12.50 बजे पहुँचकर 12.52 बजे छूटेगी।

-कानपुर अनवरगंज से 21 जनवरी से 03 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15038 कानपुर अनवरगंज-कासगंज एक्सप्रेस अरौल मकनपुर स्टेशन पर 16.36 बजे पहुँचकर 16.38 बजे छूटेगी।

-छपरा से 21 जनवरी से 03 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15083 छपरा-फरूर्खाबाद एक्सप्रेस अरौल मकनपुर स्टेशन पर 10.52 बजे पहुँचकर 10.54 बजे छूटेगी।

-फरूर्खाबाद से 21 जनवरी से 03 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15084 फरूर्खाबाद-छपरा एक्सप्रेस अरौल मकनपुर स्टेशन पर 15.56 बजे पहुँचकर 15.58 बजे छूटेगी।

-प्रयागराज जं. से 21 जनवरी से 03 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 14117 प्रयागराज-भिवानी एक्सप्रेस अरौल मकनपुर स्टेशन पर 19.44 बजे पहुँचकर 19.46 बजे छूटेगी।

-भिवानी से 21 जनवरी से 03 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 14118 भिवानी-प्रयागराज जं. एक्सप्रेस अरौल मकनपुर स्टेशन पर 07.46 बजे पहुँचकर 07.48 बजे छूटेगी।

'श्रीमती विमला देवी जयसवाल मेमोरियल संस्थान द्वारा जरूरतमंदों को कंबल व टीबी रोगियों को पोषाहार किट का वितरण'

महमूदाबाद, सीतापुर। श्रीमती विमला देवी जयसवाल मेमोरियल संस्थान के तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं महिला अस्पताल, महमूदाबाद में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। इसके साथ ही टीबी से पीड़ित रोगियों को पोषाहार किट प्रदान कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) वेद प्रकाश, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अधीक्षक डॉ. आशीष सिंह, संस्था के संरक्षक लालता प्रसाद जायसवाल, प्रबंधक पंकज जयसवाल, अशोक वर्मा, व्यापार मंडल के महामंत्री हरीश गुप्ता, जफर अहमद सहित कई समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छह रोग पर्यवेक्षक सुरेश कुमार समेत अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों और रोगियों की सेवा ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है और भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना की।

पलिया तहसील बार अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा लिखने की वजह से तहसील निघासन में आक्रोशित वकीलों का हंगामेदार धरना प्रदर्शन

निघासन–खीरी।पलिया के बहुचर्चित कंबल कांड तूल पकड़ता जा रहा है वकीलों के अनुसार पलिया तहसील बार के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो के ऊपर लेखपाल पर दबाव बनाकर फर्जी मुकदमा लिखा दिया गया जिसकी वजह से अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है । सूत्रों के अनुसार गरीबों को ठंड से बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भेजे गए कंबल पात्रों को प्रदान करने के बजाय रात के समय प्राइवेट हाथों से अन्यत्र भेजा जा रहा था जिसको पलिया तहसील बार के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो ने रंगे हाथ पकड़ लिया था जिसकी वजह से पूरे जिले में हंगामा मच गया था बताया जाता है कि तहसील के एक बड़े अधिकारी द्वारा लेखपाल से कहकर बार अध्यक्ष पर कथित तौर पर फर्जी मुकदमा लिखा दिया, जिसकी वजह से जिले का पूरा अधिवक्ता समाज उद्वेलित हो चुका है इसी कड़ी में आज तहसील निघासन में तहसील अधिवक्ता सिंह के मंत्री टीएल यादव के नेतृत्व में तहसील में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया मंत्री के मुताबिक जब तक न्याय नहीं मिलेगा तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा इस मौके पर सिविल बार के अध्यक्ष सर्वेश गुप्ता पूर्व अध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव, श्याम बाबू ,रामकृष्ण चतुर्वेदी , जितेंद्र सिंह, अख्तर अली , राजू गरी , पंकज जायसवाल , लतीफ,सर्वेश यादव , राकेश वैश्य तथा धर्मेश यादव सहित तहसील के तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे तहसील में मौजूद अन्य लोग भी इस धरना प्रदर्शन के साक्षी बने।

रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है। इसी परिप्रेक्ष्य में वित्त वर्ष 2025-26 में माह अप्रैल से दिसम्बर, 2025 तक कुल 12.34 लाख बिना टिकट/अनियमित यात्री एवं बिना बुक सामान के मामले पकड़े गये, जिससे रू 91.01 करोड़ रेल राजस्व की वसूली की गई। पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न खण्डों पर गहन मॉनिटरिंग एवं विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित कर अनधिकृत यात्रियों/बिना टिकट यात्रियों एवं पैन्ट्रीकार की जॉच की गयी, जिसके फलस्वरूप कुल 12.34 लाख बिना टिकट/अनियमित/बिना बुक सामान के मामलें पकड़े गये जिससे कुल रू 91.01 करोड़ रेल राजस्व की वसूली कर रेल खाता में जमा कराया गया। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के प्रत्येक मंडल पर 02 इंटेसिव चेक पोस्ट का गठन किया गया है तथा प्रत्येक माह स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जाते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर आगे भी बिना टिकट यात्रा, बिना बुक किये गये सामानों की जांच, अनियमित यात्रा आदि विशेष टिकट जांच अभियान चलाया जाता रहेगा। रेल राजस्व की क्षति को रोकना न केवल रेलवे के हित में है, बल्कि देश की समग्र प्रगति और यात्रियों की सुविधा के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे।

बाइक सवार को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में पलटी, किशोर घायल..

लखीमपुर–खीरी।तहसील निघासन के अंतर्गत थाना सिंगाही क्षेत्र में निघासनदृबेलराया मार्ग पर सिद्ध बाबा सिंगहा कला आदर्श तालाब के पास एक ट्रैक्टर–ट्रॉली अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर पर सवार 15 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब ट्रैक्टर–ट्रॉली मार्ग से गुजर रही थी। प्राप्त विवरण के अनुसार, सामने से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रॉली सहित ट्रैक्टर खाई में जा गिरा। दुर्घटना में जहां ट्रैक्टर चालक बाल–बाल बच गया, वहीं उसके साथ बैठे किशोर का दाहिना पैर टूट गया। अचानक हुई इस दुर्घटना से क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना सिंगाही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। ग्रामीणों की मदद से घायल किशोर को तुरंत निघासन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल किशोर खीरीगढ़ का निवासी बताया जा रहा है।

शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट-ओरिजिनेशन में संशोधन किया गया है

गोरखपुर,:पूर्वोत्तर रेलवे के गोण्डा-बुढ़वल रेलखण्ड पर स्थित गोण्डा-गोण्डा कचहरी स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन के प्रावधान हेतु प्री-नान इण्टरलॉक एवं नान इण्टरलॉक कार्य किये जाने के कारण पूर्व अधिसूचित निरस्त, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण, शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट-ओरिजिनेट होकर चलने वाली निम्नलिखित गाड़ियों के निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण, शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट-ओरिजिनेशन में संशोधन किया गया है।

संचलन बहाल-

-रक्सौल से 18 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर संचलन बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्ववत ठहराव एवं समयानुसार चलाई जायेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनस से 19 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 15274 आनन्द विहार टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर संचलन बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्ववत ठहराव एवं समयानुसार चलाई जायेगी।

-पनवेल से 16 मार्च, 2026 को परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलने वाली 15066 पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन निरस्त कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्व ठहराव एवं समायानुसार चलाई जायेगी।

-बान्द्रा टर्मिनस से 15 मार्च, 2026 को चलने वाली 22921 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर संचलन बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्ववत ठहराव एवं समयानुसार चलाई जायेगी एवं उत्तर रेलवे पर 45 मिनट तथा लखनऊ मंडल पर 45 मिनट पुनर्निधारित कर चलाई जायेगी।

-गोरखपुर से 17 मार्च, 2026 को चलने वाली 22922 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर संचलन बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्ववत ठहराव एवं समयानुसार चलाई जायेगी।

-ग्वालियर से 18 मार्च, 2026 को चलने वाली 22199 ग्वालियर-बलरामपुर एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर संचलन बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्ववत ठहराव एवं समयानुसार चलाई जायेगी तथा लखनऊ जं. पर यात्रा समाप्त करेगी।

-बलरामपुर से 19 मार्च, 2026 को चलने वाली 22200 बलरामपुर-ग्वालियर एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर संचलन बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्ववत ठहराव एवं समयानुसार लखनऊ जं. से चलाई जायेगी।

-वाराणसी से 03 से 20 मार्च, 2026 तक चलने वाली 14213 वाराणसी-बहराइच एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर संचलन बहाल करते हुये अयोध्या धाम में शार्ट टर्मिनेट किया जायेगा। यह गाड़ी अयोध्या धाम-बहराइच के मध्य निरस्त रहेगी।

-बहराइच से 04 से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाली 14214 बहराइच-वाराणसी एक्सप्रेस का निरस्तीकरण समाप्त कर इसे अयोध्या धाम से चलाया जायेगा। यह गाड़ी बहराइच-अयोध्या धाम के मध्य निरस्त रहेगी।

पुनर्निर्धारण-

-नई दिल्ली से 19 मार्च, 2026 को चलने वाली 12566 नई दिल्ली-दरभंगा एक्सप्रेस नई दिल्ली से 150 मिनट के स्थान पर संशोधित समय 145 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जायेगी।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-ग्वालियर से 11 मार्च, 2026 को चलने वाली 22199 ग्वालियर-बलरामपुर एक्सप्रेस बलरामपुर के स्थान पर लखनऊ जं. 03.45 बजे पहुंचकर यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी आलमनगर के रास्ते चलाई जायेगी तथा लखनऊ (उत्तर रेलवे) से बलरामपुर के मध्य निरस्त रहेगी।

-बलरामपुर से 12 मार्च, 2026 को चलने वाली 22200 बलरामपुर-ग्वालियर एक्सप्रेस बलरामपुर के स्थान पर लखनऊ जं. से 15.55 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से आलमनगर के रास्ते चलाई जायेगी तथा बलरामपुर से लखनऊ (उत्तर रेलवे) के मध्य निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तन-

-गोरखपुर से 17 मार्च, 2026 को परिवर्तित मार्ग से चलने वाली 15067 गोरखपुर-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस संशोधित तिथि अब 18 मार्च, 2026 को निर्धारित मार्ग गोरखपुर-बढ़नी-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग गोरखपुर-मनकापुर-अयोध्या कैंट-बाराबंकी के रास्ते चलाई जायेगी तथा इस गाड़ी का 02 मिनट का अस्थाई ठहराव खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर स्टेशनों पर प्रदान किया जायेगा।

महिला की मौत, प्रेमी पर गर्भपात का आरोप!लखीमपुर खीरी में हंगामा, तीन थानों की फोर्स तैनात

सिंगाही/बेलरायां–खीरी।शादीशुदा महिला के पेट में पांच माह से गर्भवती महिला की गर्भपात करने के लिए दी गई दवा से हुई ब्लीडिंग शरीर से अधिक खून बह जाने में जच्चा बच्चा की मौत की घटना में सिंगाही पुलिस ने महिला के प्रेमी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक यूपी की विधानसभा: ओम बिरला

लखनऊ (संवाददाता)। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। पीठासीन अधिकारियों के 86वें अखिल भारतीय सम्मेलन के दूसरे दिन यहां विधानभवन के मंडप (जहां सत्र की कार्यवाही संचालित होती है) में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि इस विधानसभा में पहले भी आना हुआ है और उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। बिरला ने कहा कि प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने देश और दुनिया की सबसे बड़ी विधानसभा में लोकतांत्रिक मूल्यों, श्रेष्ठ परंपराओं, अच्छी परिपाटियों को लागू किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा के विशेष योग्यता धारक जनप्रतिनिधियों, डॉक्टर, इंजीनियर, सनदी लेखाकार आदि, के अनुभवों का महाना ने पेशेवरों के अलग-अलग समूह बनाकर लाभ उठाया। सम्मेलन में उप्र विधानसभा के बदलाव से संबंधित दिखाई गई 13 मिनट की एक लघु फिल्म की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, उप्र विधानसभा ने महिलाओं और युवाओं के अलग-अलग सत्र आयोजित किये, ताकि महिलाओं की भागीदारी राजनीति में बढ़े और उसकी प्रेरणा सभी राज्य की महिलाओं को मिले। युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र में बढ़ाने के लिए युवा संवाद और युवा चर्चा जैसे सत्र आयोजित करने जैसे अच्छे प्रयास किये गये। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी विधानसभा की श्रेष्ठ परिपाटी, परंपराएं, नियमों में बदलाव, लोकतंत्र में भागीदारी, नये प्रयोग प्रेरणादायी होते हैं

संक्षिप्त समाचार

तारा शाह को 'फेस ऑफ इंडिया वर्ल्ड' का खिताब

ग्वालियर। 'मध्य प्रदेश महिला शक्ति मंच' की संस्थापक एवं मॉडल तारा शाह को दिल्ली में अवार्ड मॉडलिंग फैशन सोशल वर्कर के लिए 'फेस ऑफ इंडिया वर्ल्ड' का खिताब फिल्म अभिनेत्री भाग्यश्री ने दिया।

कायस्थ एकता मंच ने 500 कैलेंडरों का विमोचन किया

ग्वालियर। राष्ट्रीय कायस्थ एकता मंच द्वारा सोमवार को माधव बाल निकेतन एवं वृद्ध आश्रम चित्रगुप्त धाम में 500 वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। कैलेंडर विमोचन करने का उद्देश्य घर-घर तक आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त जी की तस्वीर एवं आरती का पहुंचना रहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय कायस्थ एकता मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सक्सेना, प्रदेश अध्यक्ष नूतन श्रीवास्तव, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव, पवन भटनागर आदि उपस्थित रहे।

हिन्दू सम्मेलनों में गूंजा समाज जागरण का स्वर

समरसता, संस्कार और शिक्षा से मजबूत होगा राष्ट्र

■ ग्वालियर

शहर में कई स्थानों पर आयोजित हिंदू सम्मेलनों में वक्ताओं ने समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, संस्कार और शिक्षा से ही राष्ट्र मजबूत होगा। इस अवसर पर देशभक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुति से नशा मुक्ति समाज और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

अंबेडकर नगर की सुरेश बस्ती का हिंदू सम्मेलन थाटीपुर स्थित शंकर पार्क में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत कालीदास महाराज, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर जिला सह संघचालक अनिल पांडे, विशेष अतिथि सरिता पटेल रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो.सुरेश शर्मा ने की। इस अवसर पर प्रहलाद सकवार, पं. रामस्वरूप शुक्ला, आर्य श्रद्धा पुष्प विशेषरूप से उपस्थित रहीं। श्री पांडे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों के देशसेवा के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कालिदास महाराज ने हिंदू समाज से जाति-पाति का भेद त्यागकर एक होने का आह्वान किया। आर्य श्रद्धा पुष्प बहन

(बौद्ध विहार) ने सामाजिक मैत्री और नशामुक्ति पर बल दिया। श्रीमती पटेल ने संयुक्त परिवार, धार्मिक यात्रा एवं साथ में भोजन-भजन जैसे पंच परिवर्तन के सिद्धांत बताए। समाज में समरसता के प्रतीक के रूप में वाल्मिकि समाज के नीतू, रवि, रीना, रंजीत, सुनीता, रविंद्र, नेहा, रवि, प्रीति, आकाश, मधु, मोहन, सरोज, दिनेश, गिरजा, राजू, प्रदीप, मुन्ना, रामनिवास, बाबूलाल एवं मुकेश का श्रीफल, शॉल व पुष्पमाला से सम्मान किया गया। इस मौके पर सभी ने नशा नहीं करने और आपसी भाईचारा बढ़ाने का संकल्प लिया। भारत माता की आरती के बाद सहभोज हुआ।

लक्ष्मीनारायण बस्ती का हिंदू सम्मेलन लाल टिपारा गौशाला के संत ऋषभदेवानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के कुटुंब प्रबोधन संयोजक अशोक पाठक, विशेष अतिथि सरोज अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण मंदिर के संजय लघाटे रहे। अध्यक्षता कार्यक्रम संयोजक अशोक आनंद ने की। वक्ताओं ने परिवार और समाज से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि देश में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत स्वयं से करें। अगर हम बदलेंगे तो समाज और राष्ट्र अपने आप परम वैभव के शिखर पर पहुंच जाएगा। वहीं नादरिया बस्ती का सम्मेलन बीके प्रहलाद भाई के मुख्यातिथ्य में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता सुनील पाठक, विशेष अतिथि योजना शुक्ला रहीं।

धर्म के मार्ग पर चलने से देश होगा सुदृढ़

छुट्टा की बजरिया बस्ती का हिंदू सम्मेलन पान पत्ते की गोठ त्रिवेणी चौक में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ज्योतिषाचार्य सुनील कुमार जुन्नरकर, मुख्यवक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लश्कर जिला संपर्क प्रमुख प्रदीप परमार, विशेष अतिथि प्रीति त्यागी रहीं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ अभिभाषक जय प्रकाश मिश्रा, आभा मिश्रा भी विशेषरूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि धर्म केवल पूजा पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज को सही दिशा देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जब समाज, धर्म और संस्कार के मार्ग पर चलता है तब राष्ट्र स्वतः सुदृढ़ होता है।

राष्ट्रीय हित को रखें सर्वोपरि

लक्ष्मण तलैया बस्ती के हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता डॉ. जेएस नामधारी, विशेष अतिथि मोहिनी यादव रहीं। अध्यक्षता संतोष शुक्ला ने की। इस अवसर पर हेमंत भार्गव भी मंचासीन रहे। वक्ताओं ने कहा कि आज सभी लोग मतभेदों को समाप्त करने का संकल्प लेकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखें।

संस्कार विहीन शिक्षा का कोई मोल नहीं

माधव नगर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि दंदरौआ धाम के महंत रामदास महाराज, मुख्य वक्ता प्रांतीय सह संयोजक गौ सेवा मधुसूदन शर्मा एवं विशेष अतिथि डॉ.सपना दुबोलिया रहीं। अध्यक्षता पीतांबर लोकवानी ने की। वक्ताओं ने कहा कि संस्कार विहीन शिक्षा का कोई मोल नहीं है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए रोपें पौधे

रायसिंह का बस्ती का सम्मेलन रथ खाना परिसर स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कनेर झील घाटीगांव के संत अनुराग गिरि महाराज, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक ग्वालियर विभाग बौद्धक प्रमुख डॉ.नरेश त्यागी ने हिंदुओं से एकजुट रहने का आह्वान किया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे रोपने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। प्रीता बौहरे ने पंच परिवर्तन का संदेश दिया। कार्यक्रम संयोजक सच्चिदानंद पचौरी थे।

हिंदू सम्मेलन के लिए किया भूमि पूजन

विश्वकर्मा बस्ती का 25 जनवरी को होने वाले हिंदू सम्मेलन के लिए भूमि पूजन न्यू शांति नगर पार्क में किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र पचौरी, राहुल शाक्य, नवल किशोर बौहरे, वीरेंद्र साहू, पंकज शर्मा, अनुराग पचौरी, मनोज माहौर, पवन नामदेव, पवन गुप्ता, राजू साहू आदि उपस्थित रहे।

ललितपुर में निकाली प्रभातफेरी

ललितपुर बस्ती का हिंदू सम्मेलन 25 जनवरी को दोपहर 3 बजे सनातन धर्म मंदिर मे आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए क्षेत्र में प्रतिदिन प्रभातफेरी निकाली जा रही है।

युवा महोत्सव में नाटक, कला और गीतों के माध्यम से उभरी कृषि संस्कृति

■ ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय युवा महोत्सव उद्गार-मिट्टी से मंच तक के दूसरे दिन सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर सांस्कृतिक गतिविधियों और युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा से जीवंत नजर आया। दिनभर नाट्य, कला एवं संगीत प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने कृषि, समाज और समसामयिक विषयों पर अपनी सशक्त अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

कार्यक्रम की शुरुआत एकांकी नाटक प्रतियोगिता से हुई, जिसमें विभिन्न कृषि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने कृषि आधारित कथानकों को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया। नाटकों में किसानों की समस्याएं, जल संकट, जलवायु परिवर्तन, कर्ज का दबाव और आधुनिक कृषि

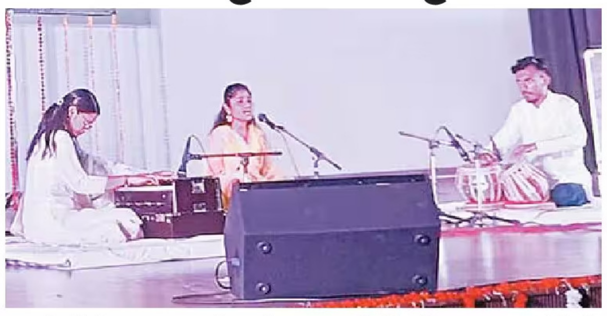

तकनीकों के समाधान को सजीव संवादों के साथ प्रस्तुत किया गया। अगर खेत सूख जाएंगे तो शहर की थाली भी खाली रह जाएगी जैसे संवादों पर सभागार तालियों से गूंज उठा। एकांकी प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय ग्वालियर, कृषि महाविद्यालय इंदौर, बी.एम. कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर खंडवा, आर.ए.के. कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर सीहोर एवं कॉलेज ऑफ हॉर्टीकल्चर मंदसौर के विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी अभिनय क्षमता से दर्शकों को प्रभावित किया। नाट्य प्रस्तुतियों के पश्चात रंगोली, पोस्टर मेकिंग, कोलाज, स्पॉट पेंटिंग, क्विज एवं कार्टूनिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया की लत, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ एवं वन नेशन, वन इलेक्शन जैसे विषयों को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। दिन के अंतिम सत्र में एकल गीत, देशभक्ति गीत, भारतीय समूह गीत एवं लोकगीत प्रतियोगिताओं ने माहौल को संगीतमय बना दिया।

यह मंच सामाजिक सेवा और नए संकल्पों का प्रतीक है: आशीष

■ ग्वालियर

जेसीआई ग्वालियर द्वारा और रंगमहल गार्डन में 62वीं इंस्टॉलेशन सेरेमनी का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि यह सेरेमनी सेवा, नेतृत्व और संगठनात्मक एकता का सशक्त उत्सव है। यह मंच साधारण नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा, नए संकल्पों और नवाचारपूर्ण सोच का प्रतीक है। जिस संतोष के साथ निवर्तमान अध्यक्ष विदा हो रहे हैं और जिस ऊर्जा व अपेक्षाओं के साथ नवागत अध्यक्ष पदभार ग्रहण कर रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि इस बार जेसीआई ग्वालियर नए कीर्तिमान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई एवं समाज सेवा, नेतृत्व और उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के नवागत अध्यक्ष कपिल अग्रवाल, अभिषेक गुप्ता, संदीप अग्रवाल, अभिनव सिंघल, सागर अग्रवाल, आनंद शर्मा, मुकेश जैन, सुमित सिंघल उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक मुकेश जैन ने प्रस्तावना रखी।

आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन भुगतान में लापरवाही पर जिलाधीश सख्त

सिविल सर्जन का वेतन रोका, जारी किया आदेश

■ ग्वालियर

जिला अस्पताल मुरार एवं उससे संबद्ध जच्चा खाने में आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को समय पर वेतन एवं मानदेय का भुगतान न किए जाने के मामले को जिलाधीश रुचिका चौहान ने गंभीरता से लिया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधीश ने सिविल सर्जन डॉ. आरके शर्मा के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका वेतन रोकने के आदेश जारी किए हैं।

जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल मुरार व उससे जुड़े जच्चा खाने में राज सिक्योरिटी एजेंसी के माध्यम से 100 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी पदस्थ हैं। इन कर्मचारियों द्वारा लंबे समय से वेतन और मानदेय समय पर न मिलने की शिकायत की जा रही थी। आउटसोर्स कर्मचारियों ने इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। हाल ही में आयोजित जनसुनवाई में भी कर्मचारियों ने अपनी शिकायत जिलाधीश के समक्ष रखी थी। इसके बावजूद स्थिति में सुधार न होने पर जिलाधीश ने कड़ा रुख अपनाया।

सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधीश श्रीमती चौहान ने सिविल सर्जन डॉ. शर्मा से इस संबंध में जानकारी मांगी। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर जिलाधीश ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सिविल सर्जन का वेतन आहरण रोकने के निर्देश दिए।

इस संबंध में जारी आदेश में जिलाधीश ने स्पष्ट उल्लेख किया है कि शासन द्वारा सभी शासकीय, संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रत्येक माह की प्रथम तारीख तक वेतन एवं मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। इसके बावजूद जिला अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों को समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है, जो कि गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है।

आदेश में यह भी कहा गया है कि जब तक आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित एवं समयबद्ध रूप से वेतन और मानदेय का भुगतान सुनिश्चित नहीं किया जाता, तब तक सिविल सर्जन डॉ. शर्मा का वेतन आहरित नहीं किया जाएगा। जिलाधीश की इस सख्त कार्रवाई से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

राजा मानसिंह तोमर विवि में आज होगा 'सृजन पर्व' का जनवरी संस्करण

■ ग्वालियर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि, ग्वालियर के छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित मासिक सांस्कृतिक उत्सव 'सृजन पर्व' का जनवरी 2026 संस्करण मंगलवार को विवि परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न होगा। इस माह के आयोजन की विषयवस्तु 'गणतंत्र और संस्कृति' निर्धारित की गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे करेंगी, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में शेखर दीक्षित, संभाग प्रमुख, संस्कार भारती, ग्वालियर प्रांत एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य, आयोजन की गरिमा बढ़ाएंगे। इस आयोजन की परिकल्पना, कार्यक्रम-संकलन एवं संयोजन विवि की डॉ. अंजना झा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष, कत्थक नृत्य विभाग द्वारा किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन कुलसचिव अरुण सिंह चौहान के सौजन्य से संपन्न हो रहा है।

सभी पात्र हितग्राहियों को मिले योजनाओं का लाभ, देना होगा प्रमाण-पत्र

संकल्प से समाधान की समीक्षा में जिलाधीश के सख्त निर्देश

■ ग्वालियर

जिले के समस्त नगरीय निकायों, नगर निगम एवं ग्राम पंचायतों को यह प्रमाण-पत्र देना होगा कि उनके क्षेत्र में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना सहित अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं है। यह निर्देश जिलाधीश रुचिका चौहान ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा के दौरान दिए।

सोमवार को आयोजित बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी योजनाओं के तहत लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही संबंधित निकायों को इसका प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। बैठक में जिले के नवाचार शिक्षा मित्र, सीएम हेल्पलाइन, ई-टोकन प्रणाली से खाद वितरण, पराली प्रबंधन, एक बगिया मां के नाम, स्मार्ट क्लासेस एवं सड़क सुरक्षा सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गई।

जिलाधीश ने निर्देश दिए कि संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों को पोर्टल पर अपलोड कर समयसीमा में निराकरण किया जाए। शिविरों को प्रभावी बनाने के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने चेतावनी दी कि शिकायतों को अनावश्यक रूप से स्थानांतरित करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। एल-1 स्तर पर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

शिक्षा मित्र नवाचार को मिल रहा समर्थन

जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिए डेस्कयुक्त बैंच उपलब्ध कराने हेतु शिक्षा मित्र नवाचार के तहत अब तक लगभग 100 अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वेच्छा से सहयोग दिया है। शासकीय सेवकों द्वारा करीब 30 लाख रुपए की राशि देने की सहमति दी जा चुकी है।

भारतीय युवा कांग्रेस ने प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग उठाई

सरकारी नौकरी का सपना: अब फीस की जंजीरें नहीं : मितेंद्र

■ ग्वालियर

भारतीय युवा कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार पर युवाओं से वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव मितेंद्र दर्शन सिंह ने कहा कि प्रदेश में चल रही भाजपा सरकार की नीतियां युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें आर्थिक और मानसिक रूप से पीड़ित कर रही हैं। कांग्रेस पार्टी युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी दृष्टि है - सस्ती शिक्षा, आसान परीक्षाएं और निष्पक्ष रोजगार। मितेंद्र दर्शन सिंह ने प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में 'एक बार पंजीकरण' (ओटीआर) शुल्क तथा 'एक बार फीस' (ओएफटी) प्रणाली को लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन सुधारों

को तत्काल लागू किया जाए। अगर नहीं, तो युवा शक्ति के साथ कांग्रेस चरणबद्ध तरीके से सड़कों पर उतरेगी। पत्रकारवार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव कुलदीप कौरव, युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय यादव, जीविवि एनएसयूआई अध्यक्ष पारस यादव भी उपस्थित थे।

सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में मितेंद्र दर्शन सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही युवाओं की आवाज रही है और आज हम याद दिलाना चाहते हैं कि पार्टी की युवा इकाई ने 30 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निवास के घेराव कर 4 लाख 10 हज़ार पोस्ट कार्ड के माध्यम से मांग की थी कि 2.5 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाए। सरकारी परीक्षाओं की परीक्षा फीस माफ की जाए। लेकिन एक साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मितेंद्र दर्शन सिंह ने कहा कि प्रदेश में विभिन्न विभागों में लाखों खाली पदों को एक बार फीस (ओएफटी) के साथ जल्द से जल्द भरा जाए और भाजपा के घोषणा पत्र में किए गए 2.5 लाख नौकरियों के वादे बेरोजगार युवाओं के हित में पूर्ण किए जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाखों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। उन्हें हर बार पंजीकरण करवाना पड़ता है। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर बार-बार हजारों रुपए फीस भरनी पड़ती है। इससे बेरोजगार युवाओं की जेब पर बोझ बढ़ जाता है। इसके लिए परीक्षा प्रणाली में सुधार होना चाहिए। हर प्रतिभागी को उसके निवास जिले से 100 किमी के अंदर परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाए। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर सिस्टम बनाया जाए, जहां आवेदन के समय ही लोकेशन के आधार पर केंद्र चुना जाए। इससे न केवल खर्च बचेगा बल्कि युवा तरोताजा होकर परीक्षा दे सकेंगे।

1214 किलो हरे चारे की गौ भोग सेवा की

ग्वालियर। श्री रामभक्त मंडल ग्वालियर ने मौनी अमावस्या पर श्री गौ माता को 1214 किलो हरे चारे की गौ भोग सेवा की। उल्लेखनीय है कि श्री रामभक्त मंडल द्वारा पिछले 6 वर्षों से अपने गौ सेवकों के सहयोग द्वारा गौ भोग सेवा करता आ रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष नंदकिशोर गोयल, अरविंद मित्तल, नरेंद्र शर्मा, विशाल गुप्ता, प्रेमकिशोर गोयल, लेखराज प्रेमानी आदि उपस्थित रहे।

21 तक होंगे ब्राह्मण परिचय सम्मेलन के निःशुल्क पंजीयन

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति के प्रधान कार्यालय में एक फरवरी को होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए 21 जनवरी तक नि:शुल्क पंजीयन किए जाएंगे। महासमिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जयवीर भारद्वाज ने बताया कि 23 जनवरी को दोपहर 2 बजे श्री सनातन धर्म मंदिर में ब्रह्म बसंतोत्सव मनाया जाएगा।

आदर्श गौशाला में ग्राम उदय से अभ्युदय कार्यक्रम

जैविक खेती और स्वावलंबन पर दिया जोर

■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश ग्राम विकास पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को आदर्श गौशाला, में ग्राम उदय से अभ्युदय विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गौसंवर्धन, जैविक कृषि, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वदेशी आधारित ग्राम विकास को बढ़ावा देना रहा। कायक्रम की शुरुआत स्वामी ऋषभ देवानंद के विचार मेरे ग्राम में मेरे राम ही अलौकिक अभ्युदय हैं के साथ हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने ग्राम स्वावलंबन को सशक्त बनाने के लिए व्यवहारिक एवं वैज्ञानिक मार्गदर्शन प्रदान किया। युवा कृषक निमिष परासर ने उन्नत नस्ल के नंदियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों की जानकारी दी। वहीं आईआईटी दिल्ली के स्कॉलर नमन एवं स्वामी शिवेशानंद ने जैविक खेती, मृदा संरक्षण एवं कृषि अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर अपने विचार साझा किए। यशपाल परिहार ने सौर ऊर्जा, औषधीय खेती एवं मोरिंगा आधारित कॉन्ट्रैक्टचुअल फार्मिंग को ग्राम स्वावलंबन का प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम में ईको-फ्रेंडली बैग निर्माण का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम के दौरान गोबर से निर्मित 11 फीट ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। आयोजन मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड मुरार द्वारा प्रीति वाजपेयी के समन्वयन में संपन्न हुआ।

सम्पादकीय

शांति थोपने की कोशिश

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा के मोह में अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया के तमाम हिस्सों में जारी अशांति पर शांति थोपने की असफल कोशिश करते रहे हैं। कई देशों में टकराव के बाद शांति की स्थापना की असफल कोशिशों के पश्चात अब ट्रंप गाजा में शांति थोपने का उपक्रम कर रहे हैं। गाजा में शांति स्थापना के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित योजना विश्व की नियामक संस्थाओं के ढांचे से बाहर उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप एक महत्वाकांक्षी कदम है। गाजा में शांति बनाये रखने के लिये मुनाफे व व्यापार जैसी प्रक्रिया के रूप में यह प्रयास अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता को एक प्रत्यक्ष चुनौती है। जो लंबे समय से दुनिया के सबसे जटिल संघर्षों में से एक गाजा संकट को दूर करने के प्रयासों में लगी हुई है। सही मायनों में ट्रंप का यह शांति प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र संघ को दरकिनार करने जैसा है, जिसको लेकर उन्होंने बार-बार नकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उनकी दलील है कि संयुक्त राष्ट्र संघ मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अक्षम और पक्षपाती है। वह इसमें अत्यधिक नौकरशाही हावी होने के भी आरोप लगाते रहे हैं। निश्चित तौर पर दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र को हांकने का प्रयास करती रही हैं। वे अपने मनमाफिक न होने पर इसे अक्षम बताने लगते हैं। दरअसल, ट्रंप की कोशिश है कि उसकी मनमाफिक क्षेत्रीय शक्तियां और अमेरिका-संगठित पक्षों द्वारा शांति योजना को सिरे चढ़ाया जाए। निश्चित रूप से यह प्रयास सार्वभौमिक बहुपक्षवाद को नकार कर शासन व्यवस्था बदलने का प्रयास ही है। निर्विवाद रूप से जो शांति, बिना वैधता,सहमति और जवाबदेही के थोपी जाती है, वह कभी स्थायी समाधान का वाहक नहीं बन सकती है। ऐसे में किसी भी विश्वसनीय शांति प्रयास के जरिये उन वास्तविकताओं से निपटना होगा, जिन्हें ट्रंप मनमानी व जल्दबाजी में अकसर नजरअंदाज करते रहे हैं। अन्यथा यह कोशिश भी ट्रंप की अन्य कोशिशों की तरह विफल ही साबित होगी। आज गाजा संकट जिस मुश्किल दौर में पहुंच चुका है, उसके लिये जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के क्रियान्वयन, नागरिकों की सुरक्षा और समावेशी शासन का मार्ग प्रभावी समझौते से सुनिश्चित किया जाए। ऐसे हालात में यदि अमेरिका अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देता है या राजनीतिक अधिकारों के बजाय आर्थिक वादों को प्राथमिकता देता है, तो इस प्रयास में उस जोखिम की आशंका बनी रह सकती है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह सकता है। गाजा में शांति के लिये नये प्रयास कसौटी पर तभी खरे उतर सकते हैं जब इसमें गाजा की वास्तविक आवाज को सुना जाता हो। निश्चित रूप से हिंसा पर काबू पाना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन नागरिकों के जीवन की गरिमा बनाये रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। शांति समझौते में यदि स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी होती है तो यह शांति प्रस्ताव एक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि दशकों से हिंसा व विस्थापन का दंश झेल रहे गाजावासियों के कष्टों को और बढ़ाएगा ही। भारत को इस शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव अमेरिका की ओर से दिया गया है। भारत वहां सदा से ही द्विराष्ट्र के सिद्धांत का समर्थन करता आया है। निर्विवाद रूप से भारत के जहां इस्राइल से बेहतर संबंध हैं, वहीं विश्वसनीयता अरब देशों में भी बरकरार रही है। गाजा में शांति प्रयासों में लगे अरब देशों के साथ भारत के मधुर संबंध रहे हैं। लेकिन यदि शांति प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को नजरअंदाज किया जाता है तो यह भारत की कूटनीतिक पहल के अनुकूल नहीं होगा। निस्संदेह, भारत हमेशा से ही प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये बहुपक्षीय मंचों पर ही भरोसा करता रहा है। ऐसे में गाजा में शांति के लिये पहल वैश्विक राजनीति में ट्रंप-प्रेरित उथल-पुथल को ही दर्शाती है। यदि गाजा में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास संयुक्त राष्ट्र को नजरअंदाज करते हैं, तो यह उस अंतर्राष्ट्रीय ढांचे को कमजोर करने का जोखिम बढ़ाएगा, जिसकी जरूरत समझौते के पूरा होने के बाद शांति बनाये रखने के लिये है।

ममता बनर्जी को केंद्र सरकार से टकराने का बहाना चाहिए

ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। पश्चिम बंगाल देश के लिए ऐसा राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है। इससे होने वाले राष्ट्रव्यापी नुकसान की ममता बनर्जी सरकार को परवाह नहीं है। ममता बनर्जी का तौर–तरीका ऐसा बन चुका है मानो पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं होकर एक स्वतंत्र देश हो। ममता किसी न किसी मुद्दे पर केंद्र सरकार से टकराती रही हैं। एक भी मौका केंद्र से टकराव का नहीं छोड़ती है और फिर खुद ही लोकतंत्र खतरे में है का नारा देकर सिर पर आसमान उठा लेती है। नया मामला प्रवर्तन निदेशालय के छापे की कार्रवाई का है। ईडी ने पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट पहुंच गई। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी चुनाव से पहले उनकी पाटी तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेज जब्त कर राजनीतिक प्रतिशोध कर रही है। पुलिस ने ममता बनर्जी की शिकायत पर ईडी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू कर दी। यह मुद्दा कलकत्ता हाईकोर्ट तक गया। कलकत्ता हाइकोर्ट ने रेड मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ईडी ने आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। एजेंसी का कहना था कि पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज कर दी। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर भारतीय न्याय संहिता के तहत 17 अपराधों की सीबीआई जांच की मांग की। याचिका में ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने ईडी की रेड में न सिर्फ बाधा डाली बल्कि अधिकारियों को डरा-धमकाकर सबूतों से छेड़छाड़ की। ममता सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह मामला चुनावों के बीच उठाया गया है और इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है। ईडी चुनावी डेटा चुराने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सवाल किया, क्या लॉर्डशिप को लगता है कि हाईकोर्ट न्याय नहीं कर सकता? इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, कृपया हमारे मुंह में शब्द न डालें। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले को गंभीर करार दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह एक गंभीर मामला है। हम इस पर परीक्षण करेंगे। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी करने का संकेत दिया। ममता बनर्जी की केंद्र सरकार से टकराने की फेहरिस्त काफी लंबी है। इसका नमूना कोरोना महामारी में केंद्र के साथ टकराव, अम्फन तूफान को लेकर गृह मंत्री के साथ झगड़ा शामिल है। इस क्रम में बंगाली प्रवासी मजदूरों को लेकर केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव को कौन भूल सकता है। बंगाल की सीमा पर नेपाल, बांग्लादेश और भूटान से आने वाले ट्रकों को लेकर भी केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव हुआ था। हुगली के तेलिनीपाड़ा में हुए दंगे को लेकर सोशल मीडिया में सवाल उठाने पर बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय के खिलाफ हुई रिपोर्ट पर राज्य पुलिस ने सांसद अर्जुन सिंह और लॉकेट बनर्जी समेत कई नेताओं पर मामले दर्ज कर एक और टकराव को जन्म दिया था। टकराव की इस कड़ी में नया मामला पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति का है ।राज्य के मौजूदा डीजीपी राजीव कुमार का कार्यकाल इसी महीने 31 जनवरी को खत्म हो रहा है। यूपीएससी ने ममता सरकार को एक बहुत बड़ा झटका दिया। आयोग ने राज्य सरकार द्वारा भेजी गई आईपीएस अधिकारियों की लिस्ट को वापस लौटा दिया। यूपीएससी ने राज्य सरकार की सिफारिश को तकनीकी और कानूनी आधार पर रिजेक्ट कर दिया। दरअसल राज्य सरकार ने नए डीजीपी के चयन के लिए कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भेजे थे। लेकिन आयोग ने इस लिस्ट पर विचार करने से ही इनकार कर दिया। यूपीएससी का कहना है कि पुरानी प्रक्रियाओं में कई खामियां छोड़ी गई थीं। इसके चलते वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया को सही नहीं माना जा सकता है। नियमों के मुताबिक सरकार को एक तय समय सीमा के भीतर यह लिस्ट भेजनी चाहिए थी। यूपीएससी ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से परमिशन लेनी चाहिए। अब यह मामला कानूनी पेचीदगियों में बुरी तरह फंसता नजर आ रहा है। सरकार के सामने अब कोर्ट जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। गौरतलब है कि पूर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री आगवानी तक के लिए नहीं आई और ना ही बैठक में शामिल हुई। पीएम का दौरा तूफान यास से हुए नुकसान का आकलन करना था।

ममता बनर्जी ने आई–पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के साथ विरोध मार्च निकाला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी चुनाव से पहले उनकी पाटी तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेज जब्त कर राजनीतिक प्रतिशोध कर रही है। पुलिस ने ममता बनर्जी की शिकायत पर ईडी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू कर दी। यह मुद्दा कलकत्ता हाईकोर्ट तक गया। कलकत्ता हाइकोर्ट ने रेड मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ईडी ने आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। एजेंसी का कहना था कि पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज कर दी। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर भारतीय न्याय संहिता के तहत 17 अपराधों की सीबीआई जांच की मांग की। याचिका में ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने ईडी की रेड में न सिर्फ बाधा डाली बल्कि अधिकारियों को डरा–धमकाकर सबूतों से छेड़छाड़ की। ममता सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह मामला चुनावों के बीच उठाया गया है और इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है। ईडी चुनावी डेटा चुराने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सवाल किया, क्या लॉर्डशिप को लगता है कि हाईकोर्ट न्याय नहीं कर सकता? इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, कृपया हमारे मुंह में शब्द न डालें। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले को गंभीर करार दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह एक गंभीर मामला है। हम इस पर परीक्षण करेंगे। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी करने का संकेत दिया। ममता बनर्जी की केंद्र सरकार से टकराने की फेहरिस्त काफी लंबी है। इसका नमूना कोरोना महामारी में केंद्र के साथ टकराव, अम्फन तूफान को लेकर गृह मंत्री के साथ झगड़ा शामिल है। इस क्रम में बंगाली प्रवासी मजदूरों को लेकर केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव को कौन भूल सकता है। बंगाल की सीमा पर नेपाल, बांग्लादेश और भूटान से आने वाले ट्रकों को लेकर भी केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव हुआ था। हुगली के तेलिनीपाड़ा में हुए दंगे को लेकर सोशल मीडिया में सवाल उठाने पर बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय के खिलाफ हुई रिपोर्ट पर राज्य पुलिस ने सांसद अर्जुन सिंह और लॉकेट बनर्जी समेत कई नेताओं पर मामले दर्ज कर एक और टकराव को जन्म दिया था।

नैरेटिव गढ़ने में एआई माहिर है, हमें सावधान रहना होगा

आठ वर्ष पहले व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि जो भी एआई में महारत हासिल करेगा, वही दुनिया पर राज करेगा। तब से इस तकनीक में निवेश विस्फोटक रूप से बढ़ा है। अकेले 2025 में ही माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेजन और मेटा ने एआई पर 320 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। एआई में वर्चस्व की यह दौड़ तीखी प्रतिक्रिया भी पैदा कर रही है। आशंकाएं बढ़ रही हैं कि बुद्धिमान मशीनें सुरक्षा के नए जोखिम पैदा करेंगी- जैसे आतंकवादियों, हैकरों और अन्य बुरे तत्वों को सशक्त करना। और यदि एआई मानव नियंत्रण से पूरी तरह बाहर निकल जाए तो? तब क्या वह अपने वर्चस्व की तलाश में मनुष्यों को पराजित कर सकती है? लेकिन इससे भी अधिक तात्कालिक खतरा मौजूद है। लगातार अधिक शक्तिशाली लेकिन अपारदर्शी एआई एल्गोरिदम हमारी स्वतंत्रता के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। जितना अधिक हम सोचने का काम मशीनों को सौंपते जाएंगे, उतनी ही कम हमारी क्षमता चुनौतियों से निपटने की रह जाएगी। हमारी स्वतंत्रता पर यह खतरा दोहरा है। एक ओर रूस और चीन जैसे निरंकुश शासन पहले ही एआई का उपयोग व्यापक पैमाने पर लोगों की निगरानी और पहले से कहीं अधिक परिष्कृत तौर-तरीकों से उनके दमन के लिए कर रहे हैं। वे न केवल असहमति को कुचल रहे हैं, बल्कि सूचना के किसी भी ऐसे स्रोत को निशाना बना रहे हैं जो असंतोष को जन्म दे सकता है। दूसरी ओर, निजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियां- जिनके पास अपार पूंजी और डेटा तक पहुंच है- अपने उत्पादों और प्रणालियों में एआई को एकीकृत करके मानवीय हस्तक्षेप को कमजोर कर रही हैं। उनका इकलौता मकसद अपने मुनाफे को अधिकतम करना है। सोशल मीडिया के गंभीर सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक-स्वास्थ्य प्रभाव तो हम पहले ही देख चुके हैं। एआई उदार लोकतंत्रों के सामने भी अस्तित्वगत प्रश्न खड़ा करती है। यदि यह तकनीक निजी क्षेत्र के नियंत्रण में ही बनी रहती है तो जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए सरकार कैसे बच सकेगी? लोगों को समझने की जरूरत है कि स्वतंत्रता का सार्थक प्रयोग इस बात पर निर्भर करता है कि मानवीय-प्रसंगों की रक्षा की जाए। उन्हें उन मशीनों के अतिक्रमण से बचाया जाए, जिन्हें सोचने और महसूस करने की हमारी प्रक्रियाओं को इस तरह ढालने के लिए बनाया गया है कि इसका लाभ कॉर्पोरेट हितों को हो। हालिया एक अध्ययन- जिसमें लगभग 77,000 लोगों ने राजनीतिक मुद्दों पर एआई मॉडलों के साथ संवाद किया- में पाया गया कि लोगों को किसी नैरेटिव की तरफ झुकाने के मकसद से डिजाइन किए गए चौटबॉट उन मॉडलों की तुलना में- जिन्हें इस तरह से प्रशिक्षित नहीं किया गया था- 51: तक अधिक प्रभावी थे। एक अन्य हालिया अध्ययन (कनाडा और पोलैंड में) में हर दस में से एक मतदाता ने शोधकताओं को बताया कि एआई चौटबॉट्स के साथ हुई बातचीत ने उन्हें किसी विशेष उम्मीदवार का समर्थन न करने की स्थिति से समर्थन करने की ओर मोड़ दिया। फ्री-स्पीच का पारम्परिक सिद्धांत भी उस डिजिटल बाजार के लिए उपयुक्त नहीं रह गया है, जो सर्वव्यापी एल्गोरिदमों द्वारा आकार ले रहा है- एल्गोरिदम जो चुपचाप एआई इन्फ्लुएंसर की तरह काम करते हैं। ऑनलाइन सेवाओं के यूजर्स को लग सकता है कि उन्हें वही दिखाया जा रहा है जो वे चाहते हैं, लेकिन जिन व्यापक तरीकों से एल्गोरिदम यूजर्स को उस दिशा में मोड़ देते हैं, जहां कॉर्पोरेट प्लेटफॉर्म उन्हें ले जाना चाहता हैं, वे गोपनीय बने रहते हैं। फ्री-स्पीच सिद्धांत की ऐसी ही विकृति 1996 के कम्युनिकेशंस डिसेंसी एक्ट की धारा 230 में भी दिखती है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म मालिकों को ऑनलाइन सामग्री से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदारी से बचाती है। यह कॉर्पोरेट-फ्रेंडली नीति मानकर चलती है कि ऐसी सारी सामग्री यूजर-जनरेटेड होती है- यानी लोग इनके माध्यम से बस विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं और अपनी पसंद जाहिर कर रहे हैं। लेकिन मेटा, टिकटॉक, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म किसी तटस्थ मंच की तरह काम नहीं करते। उनका अस्तित्व ही इस धारणा पर टिका है कि यूजर्स के अटेंशन से ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाना ही फायदे का सौदा है। कॉर्पोरेट्स अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए एआई को इस तरह तैनात कर रहे हैं कि यूजर्स अधिक से अधिक ऑनलाइन समय बिताएं- ताकि वे टारगेटेड विज्ञापनों के ज्यादा संपर्क में रहें। इसके लिए खास तरह की जानकारी परोसने से भी उन्हें हर्ज नहीं।

ग्रीनलैंड में ट्रम्प की दिलचस्पी के पुख्ता सामरिक कारण हैं

लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन

स्कूल के दिनों में भूगोल मेरे सबसे कम पसंदीदा विषयों में शामिल था। ऐसे में आर्कटिक सर्कल के पास फैली उस विशाल, फीकी भू-आकृति ग्रीनलैंड पर मैंने शायद ही कभी ध्यान दिया था। ह्यरेयर अर्थ्सह्ण उस समय हमारी शब्दावली का हिस्सा नहीं थे और न ही तब मुझमें कोई सैन्य या रणनीतिक चेतना थी, जो संघर्ष के क्षेत्र से दूर के किसी भूभाग के सामरिक मूल्य को समझ सके। यह कल्पना कि बर्फ से ढका कोई दूरस्थ भू-भाग किसी दिन वैश्विक रणनीतिक महत्व हासिल कर सकता है, उस समय तो मुझे अविश्वसनीय ही लगती। लेकिन हाल ही में ग्रीनलैंड बार-बार अंतरराष्ट्रीय विमर्श में उभरा है- मुख्यतः ट्रम्प के कारण। इस पर शुरूआती वैश्विक प्रतिक्रिया अविश्वास की थी। भला अमेरिका एक ऐसे द्वीप में दिलचस्पी क्यों लेने लेगा, जहां मुश्किल से 57,000 लोग रहते हैं और जिसका अधिकांश हिस्सा बर्फ से ढका है? विश्लेषकीय टिप्पणियां रेयर अर्थ्स, खनिजों और भविष्य की व्यावसायिक संभावनाओं पर केंद्रित रहीं। यकीनन, ये तमाम पहलू महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये मूल मुद्दा नहीं हैं। ग्रीनलैंड के पुनः उभार को समझने के लिए एक दूसरे आयाम को देखना होगा। ग्रीनलैंड का महत्व उसकी लोकेशन में निहित है। यह यूरेशिया और उत्तरी अमेरिका के बीच सबसे छोटे हवाई और मिसाइल मार्गों पर स्थित है। शीत युद्ध के दौरान, ग्रीनलैंड-आइसलैंड-यूके गैप नाटो की समुद्री रणनीति का केंद्रीय तत्व था, जो अटलांटिक में प्रवेश करने वाली

सोवियत पनडुब्बियों की निगरानी को संभव बनाता था। दशकों तक आर्कटिक एक जमे हुए बफर की तरह रहा- दूरस्थ, दुर्गम और लंबे समय तक चलने वाली प्रतिस्पर्धा से लगभग अप्रभावित। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन आर्कटिक को एक सक्रिय क्षेत्र में बदल रहा है। पिघलती बर्फ नए समुद्री मार्ग खोल रही है। साथ ही, हाइपरसोनिक हथियारों, लंबी दूरी के सटीक प्रहार, अंतरिक्ष-आधारित सेंसर, मिसाइल रक्षा और समुद्रगत प्रणालियों में प्रगति दूरी को लगातार समेट रही है। ऐसे में ग्रीनलैंड हाशिये से खिसककर अग्रिम रणनीतिक क्षेत्र में बदल जाता है। जो दूरी कभी सुरक्षा देती थी, वह सिमट रही हैय प्रतिक्रिया का समय घट रहा हैय और अमेरिकी मुख्यभूमि के लिए चेतावनी का अंतराल सिकुड़ता जा रहा है। अमेरिका ने ऐतिहासिक रूप से बहुत कम प्रत्यक्ष खतरों का सामना किया है। पर्ल हार्बर ने उसके मेनलैंड को निशाना नहीं बनाया था और 9/11 एक अपवाद था। अमेरिका की पारम्परिक प्राथमिकता यही रही है कि वह खतरों को अपनी सीमाओं से दूर रखने के लिए विदेशों में संलग्न रहे। महाशक्तियों की होड़ अब नाटकीय आक्रमणों से कम और विरोधियों को रणनीतिक बढ़त हासिल करने से रोकने से अधिक जुड़ी है। ऐसे रणनीतिक क्षेत्र जो कम आबादी वाले हों, राजनीतिक रूप से सीमित हों या पर्याप्त रूप से सुरक्षित न हों, स्वाभाविक रूप से आकर्षक बन जाते हैं- और केवल सैनिक तैनाती भर के लिए नहीं। ऐसे में ग्रीनलैंड को रणनीतिक रूप से कमजोर छोड़ देना अमेरिका के लिए जोखिम बढ़ाने वाला है। ग्रीनलैंड अमेरिका तक की दूरी घटाता है और यही उसकी चिंता का कारण है। भारत के उदाहरण से समझें। सियाचिन ग्लेशियर का कोई विशेष आर्थिक मूल्य नहीं है, उस पर भारी लॉजिस्टिक लागत भी आती है और वह अनुभवी सैनिकों के लिए भी अत्यंत दुर्गम है। इसके बावजूद भारत दशकों से सियाचिन पर कायम है। क्योंकि उसे खाली करने का अर्थ होगा पाकिस्तान को ऐसे भू-भाग पर कब्जा करने देना, जो भले ही आज सीमांत लगे, लेकिन भविष्य में उपयोग में लाया जा सकता है। एक बार ऐसा इलाका हाथ से निकल जाए तो उसे वापस हासिल करना कई गुना महंगा पड़ता है। इसलिए सियाचिन पर बने रहने का फैसला तात्कालिक सामरिक लाभ से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक दूरदृष्टि से उपजा है। अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड भी कुछ ऐसा ही है। रूस ने आर्कटिक के बड़े हिस्सों का दोबारा सैन्यीकरण कर लिया है। उसने पुराने ठिकानों को फिर से सक्रिय किया है और अपनी उत्तरी सैन्य क्षमताओं का विस्तार किया है। चीन ने भी स्वयं को नियर-आर्कटिक राष्ट्र घोषित करते हुए शोध केंद्रों, निवेश और कूटनीति के जरिये इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ाई है। ऐसे में अगर अमेरिका कुछ ना करता तो यह हैरानी की बात होती। ट्रम्प की शैली चाहे जैसी हो, लेकिन डेनमार्क को लेकर उनकी रणनीतिक प्रेरणा तर्कहीन नहीं है।

ट्रंप का प्रस्ताव ठुकराना ही बेहतर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत को एक ऐसा प्रस्ताव मिला है, जिसे सरकार को फौरन नकार देना चाहिए। क्योंकि इसमें न केवल भारत की संप्रभुता और गुटनिरपेक्षता पर खतरा खड़ा होगा, बल्कि घोर वैश्विक असंतुलन भी खड़ा हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप गजा में शांति बहाल करने और स्थायी व्यवस्था निर्मित करने के लिए बनाए गए बोर्ड में भारत को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका की तरफ से बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण आया है। 16 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में ट्रंप ने कहा कि भारत की भागीदारी से मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक श्ऐतिहासिक और निर्णायक प्रयासश को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे 7 अक्टूबर 2023 से जारी गजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक नए और साहसिक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में पेश किया है। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने 29 सितंबर, 2025 को गजा संकट को खत्म करने के लिए 20-बिंदुओं वाली योजना की घोषणा की थी, जिसे अरब देशों, इजरायल और यूरोप सहित कई वैश्विक नेताओं का समर्थन मिला था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे अनुमोदित किया था ।लेकिन बात केवल इतनी ही नहीं है। असल में यह बोर्ड ऑफ पीस पूरी वैश्विक व्यवस्था को उलट-पुलट करने के इरादे से बनाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप इसके आजीवन अध्यक्ष रहेंगे, और वो हटते हैं तो उनके द्वारा नामित व्यक्ति ही उनका उत्तराधिकारी बनेगा। यानी अमेरिका अपनी चौधराहट अब नए तरीके से दिखा रहा है। इसके अलावा बोर्ड के जरिए केवल गजा तक नहीं बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की कमान संभालने का इरादा दिख रहा है ।ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में जब गजा के लिए एक 20-सूत्रीय शांति योजना प्रस्तावित की थी तो इसमें गजा को एक श्अस्थायी शासनश के अधीन रखा जाना था, जिसका प्रबंधन एक श्तकनीकी, गैर-राजनीतिक फिलिस्तीनी समितिश द्वारा किया जाता। जब संरा ने इस बोर्ड को मंजूरी दी, तो इसका कार्यकाल 2027 के अंत तक सीमित था और फोकस केवल गजा पर था। लेकिन बोर्ड का चार्टर अब विस्तारित हो चुका है। अब यह सिर्फ मध्यपूर्व की शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि श्वैश्विक संघर्षों को सुलझानेश वाला एक श्नया अंतरराष्ट्रीय संगठन और अस्थायी शासन प्रशासनश के रूप में परिभाषित है। चार्टर में श्और संस्थाओं से अलग होने का साहसश पर जोर दिया गया है। यानी संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को खत्म कर, एक समानांतर व्यवस्था बनाने की चालाकी ट्रंप ने दिखाई है। बोर्ड का चार्टर श्संघर्ष से प्रभावितश या श्संघर्ष की धमकी वालेश क्षेत्रों में श्स्थायी शांतिश पर फोकस करता है। जहां श्धमकी वालेश क्षेत्र की परिभाषा साफ नहीं है। वैसे भारत इस व्यवस्था से दूर ही रहे तो अच्छा है, क्योंकि चार्टर में लिखे श्संघर्ष की धमकी वाले क्षेत्रश जैसे अस्पष्ट शब्द भविष्य में कश्मीर जैसे मुद्दे पर भारत की संप्रभुता को चुनौती दे सकते हैं। ट्रंप अभी पहलगाम के बाद ही किस तरह दखलंदाजी करने लगे हैं, ये सबने देखा है। भारत की हामी के बाद तो उन्हें कश्मीर पर बोलने का लाइसेंस ही मिल जाएगा ।दरअसल गजा को कट्टरता और आतंकवाद से मुक्त क्षेत्र बनाने, सुरक्षा ढांचा तैयार करने और पुनर्निर्माण करने के नाम पर ट्रंप अब एशिया और अफ्रीका के कमजोर देशों पर अमेरिकी पूंजीवाद के चंगुल और कसना चाहते हैं। नए निर्माण और सुरक्षा के नाम पर कमजोर देशों को मनमानी शर्तों पर समझौता करने मजबूर किया जाएगा और उससे बाद उनकी जमीन और संसाधनों का इस्तेमाल ट्रंप अपने मुनाफे के लिए करेंगे। अभी संयुक्त राष्ट्र संघ चाहे शांति बहाली या युद्ध रुकवाने में प्रभावी रहे न रहे, वहां सभी सदस्य देशों के वोट का महत्व है और वीटो शक्ति के कारण किसी एक देश की मनमानी नहीं चल पाती है। ट्रंप इसे खत्म करके एक नये किस्म की तानाशाही कायम करने की राह पर हैं और इसमें वो भारत को भी शामिल करना चाहते हैं।अब यह नरेन्द्र मोदी को तय करना है कि वे ट्रंप की मीठी-मीठी बातों में आते हैं या भारत के घरेलू और वैश्विक हितों पर दूरगामी नजरिया रखते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप का निमंत्रण ऐसे वक्त में आया है जब मोदी सरकार ट्रंप प्रशासन के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रही है, ताकि भारतीय निर्यात पर लगे 50प्रतिशत शुल्क को कम किया जा सके। ट्रंप ने पहले ही भारत को परोक्ष रूप से धमका कर अपने फायदे के सौदे करवाए हैं। चाहे रूस से तेल खरीद कम करना हो या ईरान में चाबहार पोर्ट पर समझौते से पीछे हटना हो, मोदी सारे काम ट्रंप की सुविधा के लिए कर रहे हैं। अब उनके सामने बोर्ड ऑफ पीस का नया चारा फेंका गया है। ध्यान रहे कि ट्रंप इसमें भी चंदा उगाही से बाज नहीं आ रहे हैं। इस बोर्ड में स्थायी सदस्यता पाने के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान करना होगा। वहीं, तीन साल की अस्थायी सदस्यता के लिए किसी वित्तीय योगदान की शर्त नहीं रखी गई है। इस राशि का उपयोग गजा के लिए होगा, ये कहा गया है। लेकिन जहां ट्रंप की मर्जी चलेगी, वहां क्या कोई देश या बोर्ड का सदस्य हिसाब-किताब मांग सकेगा ।बता दें कि इस समय बोर्ड की कार्यकारी समिति में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, ट्रंप के दामाद और व्यवसायी जेरेड कुशनर तथा विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा शामिल हैं।

गोमतीनगर से डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई अमृत भारत एक्सप्रेस

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से आज दोपहर 1.00 बजे अमृत भारत एक्सप्रेस मां कामाख्या होते हुए डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के प्रमुख स्टेशनों से गुजरते हुए पूर्वोत्तर भारत तक सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी। गोमतीनगर से चलने के बाद अमृत भारत एक्सप्रेस अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, मनकापुर, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड, नलबाड़ी, रंगिया, कामाख्या, गुवाहाटी, जागी रोड, चापरमुख, होजई, लम्डिंग, दीफू, दीमापुर, फरकाटिंग, मरियानी, सिमालगुड़ी, मोराणहाट होते हुए अंत में डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। असम के रहने वाले शरद ने बताया कि हम लखनऊ से अपनी तैयारी कर रहे हैं। अभी अपने घर असम जा रहे हैं। इस ट्रेन में काफी शानदार व्यवस्था है। साफ-सफाई भी बहुत अच्छी है। सिक्योरिटी पर्पज से कैमरे भी लगाए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि इस नई अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से लखनऊ और आसपास के इलाकों के यात्रियों को असम और पूर्वोत्तर राज्यों तक सीधी, तेज और सुरक्षित रेल सेवा मिलेगी। ट्रेन को आधुनिक सुरक्षा मानकों और बेहतर यात्री सुविधाओं के साथ चलाया जा रहा है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी।

26 जनवरी को कहां जाएं, जहां देशप्रेम की भावना खुद-ब-खुद जाग उठे

देशप्रेम नारों में नहीं, इतिहास को समझने और मूल्यों को जीने में है। 26 जनवरी को तिरंगे, इतिहास और बलिदान से जुड़ी जगहों की यात्रा कर सकते हैं। 26 जनवरी पर भारत अपना राष्ट्रीय पर्व मनाता है। इस दिन देश अपने संविधान, सेनानियों और लोकतांत्रिक मूल्यों को सलाम करता है। गणतंत्र दिवस को जश्न की तरह मनाने के लिए देश की कुछ जगहें परफेक्ट हैं। इस दिन परेड निकाली जाती है,जिसका सीधा प्रसारण टीवी पर होता है और आप घर बैठे परेड व गणतंत्र दिवस कार्यक्रम देख सकते हैं। हालांकि अगर आप इस गणतंत्र दिवस 2026 को सिर्फ.टीवी पर परेड देखकर नहीं, बल्कि देशप्रेम को महसूस करके मनाना चाहते हैं, तो भारत में कुछ जगहें ऐसी हैं जहां पहुंचते ही रगों में राष्ट्रभक्ति दौड़ जाती है। देशप्रेम नारों में नहीं, इतिहास को समझने और मूल्यों को जीने में है। 26 जनवरी को तिरंगे, इतिहास और बलिदान से जुड़ी जगहों की यात्रा कर सकते हैं।

कर्तव्य पथ, नई दिल्ली

नई दिल्ली के कर्तव्य पथ को गणतंत्र दिवस की धड़कन कह सकते हैं।

26 जनवरी की परेड देखने का सपना हर भारतीय देखता है।

कर्तव्य पथ पर सेना की टुकड़ियां, झांकियां और तिरंगे की शान देश के गौरव का सबसे जीवंत दृश्य पेश करती हैं।

यहां खड़े होकर एहसास होता है कि भारत केवल एक देश नहीं, एक विचार है।

इंडिया गेट और नेशनल वॉर मेमोरियल

शहीदों को नमन करने के लिए यहां आएं।

गणतंत्र दिवस पर यहां का माहौल बेहद भावुक होता है।

नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीदों के नाम पढ़ते हुए देश के लिए दिए गए बलिदान की कीमत समझ आती है।

यह जगह सिखाती है कि आजादी और गणतंत्र कितनी बड़ी कुर्बानी से मिले हैं।

जलियांवाला बाग, अमृतसर

इतिहास की टीस इसी स्थान पर बसी है।

यह स्थान चीखता नहीं, लेकिन बहुत कुछ कह जाता है।

26 जनवरी को यहां जाना देश के संघर्षपूर्ण अतीत से जुड़ने जैसा है।

यहां खड़े होकर समझ आता है कि संविधान की हर पंक्ति खून और संघर्ष से लिखी गई है।

सेल्युलर जेल, पोर्ट ब्लेयर

यह जगह अंग्रेजों की सजा काला पानी की कहानी कहती है।

यह जेल भारत के स्वतंत्रता संग्राम का सबसे कठोर अध्याय है।

गणतंत्र दिवस पर यहां का लाइट एंड साउंड शो दिल को झकझोर देता है।

यह स्थान देशप्रेम को शब्दों में नहीं, अनुभूति में बदल देता है।

राजघाट, दिल्ली

दिल्ली का राजघाट शांति और राष्ट्रभाव का स्थल है।

यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि बनी हुई है।

महात्मा गांधी की समाधि पर 26 जनवरी की सुबह अद्भुत शांति होती है।

यह जगह याद दिलाती है कि भारत की ताकत केवल हथियारों में नहीं, बल्कि सत्य और अहिंसा में भी है।

ये एक नुस्खा गायब कर देगा चेहरे के दाग-धब्बे, आजमाकर जरूर देखें

अगर आपके चेहरे पर भी वर्षों पुराने दाग-धब्बे हैं तो हमारा बताया एक नुस्खा आजमाकर देख लें। इसके इस्तेमाल से आपके चेहरे के दाग धीरे-धीरे कम हो जाएंगे। उम्र, सूरज की किरणों, हार्मोनल बदलाव या गलत स्किनकेयर के कारण कई बार चेहरे पर दाग-धब्बे हो जाते हैं। इसके दाग-धब्बे लंबे समय तक बने रहते हैं। कई बार लोग महंगे प्रोडक्ट्स या ट्रीटमेंट्स इस्तेमाल करने के बाद भी संतोषजनक परिणाम नहीं पा पाते। ऐसे में घर पर उपलब्ध साधारण चीजों का इस्तेमाल करके भी चेहरे की रंगत और दाग-धब्बों में सुधार किया जा सकता है। हमारे बताए गए नुस्खे से आप धीरे-धीरे इन दागों को कम कर सकते हैं। ये तरीका प्राकृतिक, सुरक्षित और सरल है। नियमित इस्तेमाल से आपकी त्वचा न केवल साफ होगी बल्कि चमकदार और मुलायम भी महसूस होगी। चाहे आप युवा हों या अधिक उम्र के हों, ये नुस्खा सभी के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

नुस्खे के लिए क्या चाहिए ?

आपको चाहिए 2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच दही, आधा चम्मच हल्दी पाउडर और 1 चम्मच शहद।

ये सभी चीजें प्राकृतिक हैं और त्वचा के लिए सुरक्षित मानी जाती हैं।

इस्तेमाल का तरीका

सबसे पहले अपने चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से साफ करें।

इसके बाद बेसन, दही, हल्दी और शहद को मिलाकर पेस्ट तैयार करें।

इस पेस्ट को चेहरे पर समान रूप से लगाएं।

इसे 15-20 मिनट तक चेहरे पर लगे रहने दें।

इसके बाद हल्के हाथों से मसाज करते हुए गुनगुने पानी से धो लें।

पेस्ट को रगड़ने से बचें ताकि त्वचा पर जलन या खरोंच न आए।

कब करें इस्तेमाल ?

इस फेस पैक का इस्तेमाल हफ्ते में 2-3 बार किया जा सकता है।

अगर आप इसे दिन में इस्तेमाल कर रहे हैं तो फेस पैक लगाने के बाद बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

नियमित इस्तेमाल से दाग-धब्बे धीरे-धीरे हल्के होंगे और त्वचा में प्राकृतिक चमक आएगी।

तिरंगा ढोकला बनाने का सबसे सही और आसान तरीका

गणतंत्र दिवस को लोग अलग-अलग अंदाज में सेलिब्रेट करते हैं। इस अवसर पर लोगों के घर, स्कूल, ऑफिस और कॉलोनियों में तमाम कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इस दिन लोग तिरंगे के रंगों में तैयार होते हैं और खाने-पीने की चीजों में भी लोग तिरंगे के रंगों को शामिल करके माहौल को और खास बनाते हैं। अगर आप इस गणतंत्र दिवस अपने दोस्तों और परिवार के लिए कुछ यूनिक और स्वादिष्ट बनाना चाहती हैं, तो तिरंगा ढोकला आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन है। ये स्वाद में हल्का, दिखने में आकर्षक और तिरंगे के रंगों से भरा होता है। घर पर इसे बनाना भी आसान है और बच्चों को भी ये बहुत पसंद आता है। चाहे त्योहार की पार्टी हो या स्कूल/ऑफिस फंक्शन, तिरंगा ढोकला आपके गणतंत्र दिवस को स्वाद और रंग दोनों से खास बना सकता है। तो आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

तिरंगा ढोकला बनाने का सामान

सूजी झ 1 कप

दही झ ०कप

बेकिंग सोडा झ ०चम्मच

पालक पेस्ट

केसरिया फूड कलर

हरा फूड कलर

हरी मिर्च

नमक

तेल

सूजी का तिरंगा ढोकला बनाने की विधि

तिरंगा ढोकला बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में सूजी और

दही मिलाकर स्मूद बैटर तैयार करें।

अब नमक, हल्की सी चीनी मिक्स करके बैटर को 15-20 मिनट के लिए रख दें ताकि सूजी थोड़ा फूल जाए।

इसके बाद बैटर में बेकिंग पाउडर या ईनो डालकर हल्के हाथों से मिलाएं।

अब बैटर को तीन हिस्सों में बांटकर पहले हिस्से में हल्दी मिलाकर केसरिया रंग तैयार करें, दूसरे हिस्से को बिना किसी रंग के छोड़े और तीसरे हिस्से में हरा रंग डालकर हरा हिस्सा बनाएं।

इसके बाद स्टीमर पानी उबालें और ढोकला ट्रे या प्लेट को हल्का तेल लगाकर ग्रीस करें।

सबसे पहले केसरिया बैटर को ट्रे में डालें और समान रूप से फैलाएं फिर उसके ऊपर सफेद बैटरऔर फिर हरा बैटर डालकर तीनों रंगों का तिरंगा बना दें।

ट्रे को स्टीमर में रखकर मध्यम आंच पर 15-20 मिनट तक ढोकला स्टीम करें।

स्टीमिंग पूरी होने के बाद ढोकला को थोड़ा ठंडा होने दें और फिर ट्रे से निकालें।

ऐसे लगाएं तड़का

एक पैन में तेल लेकर उसमें राई, करी पत्ता, और हरी मिर्च भूनकर ढोकले पर डालें।

ऊपर से हरा धनिया छिड़कें ताकि स्वाद और लुक दोनों बेहतर हों।

अब इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटें और हरी चटनी या मीठी चटनी के साथ सर्व करें।

इस विधि से तैयार सूजी का तिरंगा ढोकला हल्का, स्वादिष्ट और दिखने में आकर्षक होता है।

ध्यान रखें कि बैटर बहुत पतला या बहुत गाढ़ा न हो और स्टीमर में पानी पहले से उबाल लें ताकि ढोकला अच्छी तरह फूले।

लाइफस्टाइल की ये गलतियां शरीर में बढ़ा सकती हैं कैल्शियम डेफिशियेंसी, जरूर बरतें ये सावधानियां

शरीर में कैल्शियम की कमी होना एक असाधारण स्थिति है। ऐसे में थोड़ी चोट लगने पर भी हड्डियां चटक जाती हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि कैल्शियम की कमी होने के पीछे कई कारण होते हैं, जिनमें एक बड़ा कारण हमारी दिनचर्या की कुछ गलत आदतें भी हो सकती हैं। कैल्शियम हमारे शरीर के लिए सबसे जरूरी खनिजों में से एक है, जो हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए सबसे बुनियादी तत्व है। हमारे समाज में एक आम धारणा है कि अगर कोई दूध नहीं पीता है तो उसमें कैल्शियम की कमी होना तय है। मगर यह एक मिथक है, वास्तव में हमारी आधुनिक जीवनशैली की कई गलत आदतें शरीर में इसके अवशोषण को रोक देती हैं। उदाहरण के लिए अत्यधिक नमक का सेवन शरीर से कैल्शियम को पेशाब के जरिए बाहर निकाल देता है। इसके अलावा भी कई गलतियां हैं जो कैल्शियम को शरीर में सही से नहीं एब्जॉर्ब होने देती हैं। अगर समय रहते इन आदतों को नहीं सुधारा गया, तो यह 'ऑस्टियोपोरोसिस' जैसी गंभीर स्थिति का रूप ले सकती है, जिसमें हड्डियां इतनी कमजोर हो जाती हैं कि हल्के से झटके से भी टूट सकती हैं। इसलिए आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पहला सवाल: क्या अत्यधिक नमक खाने से हड्डियां कमजोर होती हैं ?

उत्तर: हां, नमक में मौजूद सोडियम शरीर से कैल्शियम को बाहर निकालने का काम करता है। जब हम ज्यादा नमक खाते हैं, तो गुर्दे अतिरिक्त सोडियम के साथ-साथ कैल्शियम को भी शरीर से बाहर निकालने लगते हैं, जिससे धीरे-धीरे हड्डियों का घनत्व कम होने लगता है।

दूसरा सवाल: विटामिन-ऊकी कमी कैल्शियम के लेवल को कैसे प्रभावित करती है ?

उत्तर: कैल्शियम और विटामिन-ऊएक-दूसरे के पूरक हैं। बिना विटामिन-ऊके हमारा शरीर भोजन से कैल्शियम को अवशोषित नहीं कर पाता। अगर आप पर्याप्त धूप नहीं लेते, या विटामिन डी से भरपूर खाद्य पदर्थों का सेवन नहीं करते हैं तो आप कितना भी कैल्शियम खा लें, वह शरीर के किसी काम नहीं आएगा।

तीसरा सवाल: क्या सोडा और कैफीन का सेवन कैल्शियम के लिए खतरनाक है ?

उत्तर: सॉफ्ट ड्रिंक्स में फास्फोरिक एसिड होता है जो शरीर के कैल्शियम संतुलन को बिगाड़ देता है। वहीं चाय-कॉफी का अत्यधिक सेवन कैल्शियम के अवशोषण में बाधा डालता है। दिन भर में 2 कप से ज्यादा कैफीन का सेवन हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

सावधानियां और सही चुनाव

कैल्शियम की कमी से बचने के लिए सिर्फ सप्लीमेंट्स पर निर्भर न रहें, बल्कि अपनी आदतों में बदलाव करें। धूम्रपान और शराब से दूर रहें, क्योंकि ये सीधे तौर पर हड्डी बनाने वाली कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। रोजाना व्यायाम करें और संतुलित आहार लें। ध्यान रखें आज की छोटी सी सावधानी भविष्य में आपको फ्रैक्चर और जोड़ों के दर्द से बचा सकती है।

फैटी लिवर को 2 महीने में कैसे करें रिवर्स ? बस प्लेट में रखें ये 3 चीजें

लिवर हमारे शरीर का एक बहुत ही जरूरी अंग है। यह शरीर से गंदे टॉक्सिन्स बाहर निकालने, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने जैसे कई अहम काम करता है। लेकिन जब लिवर में ज्यादा फैट जमा होने लगता है, तो इसे फैटी लिवर डिजीज कहा जाता है, जो आजकल

एक आम समस्या बनती जा रही है। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि फैटी लिवर के शुरूआती दौर में कोई खास लक्षण नजर नहीं आते। ऐसे में जब तक बीमारी का पता चलता है, तब तक नुकसान हो चुका होता है।

क्यों बढ़ रही है फैटी लिवर की समस्या?

भारत समेत पूरी दुनिया में फैटी लिवर के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। खराब खानपान, एक्सरसाइज की कमी, ज्यादा मीठा और प्रोसेस्ड फूड खाने से लिवर पर फैट जमा होने लगता है। कई लोगों को तब तक पता नहीं चलता कि उनका लिवर खराब हो रहा है, जब तक कोई गंभीर दिक्कत सामने न आ जाए।

फैटी लिवर को कैसे किया जा सकता है रिवर्स?

फेमस न्यूट्रिशनिस्ट रयान फर्नांडो के मुताबिक, अगर आप समय रहते अपनी डाइट और लाइफस्टाइल में छोटे-छोटे बदलाव कर लें, तो सिर्फ 2 महीने में फैटी लिवर को काफी हद तक रिवर्स किया जा सकता है। आइए जानते हैं वो आसान उपाय

फैटी लिवर को रिवर्स करने के आसान उपाय

रोज करें एक्सरसाइजरू अगर आप अब तक बिल्कुल एक्सरसाइज नहीं करते थे, तो अब शुरूआत करना जरूरी है। रोजाना वॉक, योग, साइकलिंग या जिम करें एरोबिक एक्सरसाइज और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग दोनों को शामिल करें। रिसर्च के मुताबिक, सिर्फ एक्सरसाइज से ही लिवर में जमा फैट 30ः तक कम हो सकता है।

फाइबर से भरपूर डाइटः लेंफैटी लिवर में डाइट का बहुत बड़ा रोल होता है। आपकी प्लेट कुछ ऐसी होनी चाहिए

50ः सब्जियां

25ः कॉम्प्लेक्स कार्ब्स (जैसे दलिया, ब्राउन राइस)

25ः प्रोटीन (दाल, पनीर, अंडा, दही)

फाइबर से भरपूर खाना पेट की चर्बी कम करता है, जो फैटी लिवर की सबसे बड़ी वजह होती है।

हेल्दी फैट को करें शामिल

अगर आप ज्यादा घी, मक्खन और तला-भुना खाते हैं, तो अब इन्हें कम करें।

इनकी जगह डाइट में शामिल करें

मूंगफली

बादाम, अखरोट

अलसी के बीज

फैटी फिश (जैसे सैल्मन)

इनसे लिवर एंजाइम्स बेहतर होते हैं और लिवर में फैट बनना कम होता है।

इन चीजों से बनाएं दूरी

अगर आप चाहते हैं कि फैटी लिवर जल्दी ठीक हो, तो इन चीजों से दूरी बना लेंकृ

फ्रूट जूस

पैकेट वाले फूड

बेकरी आइटम

कोल्ड ड्रिंक और मीठे पेय

इन चीजों को छोड़ने से 6 से 12 हफ्तों में लिवर फैट 15-20ः तक कम हो सकता है।

समय रहते ध्यान देना है जरूरी फैटी लिवर एक बीमारी है, जो बिना लक्षण के शरीर को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए लक्षणों का इंतजार न करें, बल्कि अभी से हेल्दी आदतें अपनाएं।

गणतंत्र दिवस के मौके पर ऐसे हों तैयार, ये गलतियां करने से बचें

26 जनवरी सिर्फ एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि देशभक्ति और गौरव का प्रतीक है। ऐसे में आपका लुक भी ऐसा होना चाहिए, जिससे लोगों को लगे कि आप इस दिन को खुलकर सेलिब्रेट कर रहे हैं। सही आउटफिट, संतुलित मेकअप और सादगी से भरा स्टाइल आपको खूबसूरत बनाने के साथ-साथ गरिमामय भी दिखाता है। खासतौर पर महिलाओं और लड़कियों के लिए खास दिखना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर इस गणतंत्र दिवस आप भीड़ में अलग और खास दिखना चाहती हैं, तो तैयार होते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। हम ये सलाह आपको इसलिए दे रहे हैं क्योंकि अक्सर लोग ज्यादा मेकअप या गलत रंगों का चयन कर लेते हैं, जिससे लुक बिगड़ सकता है। इस खास दिन पर तिरंगे के रंगों से प्रेरित स्टाइल, नेचुरल मेकअप और आरामदायक कपड़ों का चुनाव सबसे बेहतर माना जाता है। अगर आप कॉलेज, ऑफिस, स्कूल फंक्शन या परेड देखने जा रही हैं, तो मौसम और मौके के हिसाब से तैयार होना जरूरी है। थोड़ी सी समझदारी और सही प्लानिंग से आप इस गणतंत्र दिवस पर बेहद आकर्षक और आत्मविश्वास से भरी नजर आ सकती हैं।

आउटफिट में तिरंगे के रंगों का इस्तेमाल करें

परफेक्ट आउटफिट के लिए केसरिया, सफेद और हरे रंग का संतुलन बहुत जरूरी है।

पूरे आउटफिट में तीनों रंग भरने के बजाय किसी एक रंग को प्रमुख रखें।

इससे लुक भड़कीला नहीं लगेगा और देशभक्ति की भावना भी बनी रहेगी।

बहुत ज्यादा मेकअप से बचें

इस खास मौके पर हैवी मेकअप करने से बचें।

हल्का फाउंडेशन, सॉफ्ट ब्लश, न्यूड या हल्के पिंक शेड की लिपस्टिक और मस्कारा से फ्रेश और क्लीन लुक मिलेगा।

तिरंगे के रंगों को आईलाइनर या नेल आर्ट में हल्के तौर पर शामिल किया जा सकता है।

हेयरस्टाइल सिंपल रखें

खुले बाल, लो बन, हाई पोनीटेल या सिंपल ब्रेड जैसे हेयरस्टाइल सबसे बेहतर रहते हैं।

नगर निगम कर्मचारी संघ ने दी संस्थापक सदस्य रूप को श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। नगर निगम कर्मचारी संघ ने अपने संगठन के कार्यालय 60, संघ भवन द्वितीय तल लालबाग नगर निगम लखनऊ में संगठन संस्थापक सदस्य व पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय अरविन्द कुमार रूप के 19-जनवरी 26 को हुये देहांत पर शोक सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर कर्मचारियों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके कर्मचारी समाज में किये गये योगदान को याद किया। स्व. अरविन्द कुमार रूप नगर निगम कर्मचारी संघ के पूर्व उपाध्यक्ष थे और उन्होंने संगठन को बनाने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनकी बातों पर चर्चा की गई और संगठन हित में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया।सभा में स्वर्गीय अरविन्द कुमार रूप के देहांत पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। कर्मचारियों ने उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की व दो मिनट का मौन धारण किया गया। नगर निगम कर्मचारी संघ ने स्वर्गीय अरविन्द कुमार रूप को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को हमेशा याद रखने का संकल्प लिया। नगर निगम कर्मचारी संघ संगठन मंत्री अर्जुन यादव ने बताया कि आज इस शोक-सभा में जवाहर भवन इन्दिरा भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पान्डेय ,कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ,विद्युत सुरक्षा निदेशालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ,उपाध्यक्ष पवन गौड़,नगर निगम कर्मचारी संघ के संरक्षक रामचंदर यादव ,अध्यक्ष आनन्द वर्मा,महामंत्री शमील एखघ्लाक,मो. शोएब,हेमन्त कुमार, मो. शमशाद,पवन पाल सदस्य कार्यकारिणी,गुरमीत सिंह पूर्व उपाध्यक्ष नगर निगम कर्मचारी संघ, ओम-प्रकाश उप्रेती अध्यक्ष नगर महापालिका कर्मचारी संगठन,मो. इरशाद महामंत्री आरआर सेंट्रल वर्कशॉप कर्मचारी संघ,अशोक प्रसाद ,मो.राशिद,बैजनाथ यादव,संगीता श्रीवास्तव,मो.अली,रचित कुमार सहित मुख्यालय सभी जोन कार्यालय,आरआर विभाग,उद्यान विभाग और स्वस्थ्य विभाग से सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी उपस्थित हुये।

अश्विन ने शुभमन गिल की कप्तानी में कमियां गिनाई; क्या कोच गौतम गंभीर सुन भी रहे हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत को वनडे सीरीज में 1-2 से

शिकस्त झेलनी पड़ी। इस हार के बाद फैंस से लेकर क्रिकेट पंडितों ने टीम मैनेजमेंट और कोच गौतम गंभीर की जमकर आलोचना की है। साथ ही शुभमन गिल की कप्तानी पर भी सवाल उठाए हैं। अब इस मामले में भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का भी बयान सामने आया है। उन्होंने भी गिल की कप्तानी में कमियां गिनाई हैं। आश्चर्य की बात यह भी है कि क्रिकेट पंडितों की बात क्या गंभीर सुन भी रहे हैं, क्योंकि अश्विन ने जो तर्क दिए हैं, वो सोचने पर मजबूर करते हैं। अश्विन ने गिल की कप्तानी पर उठाए सवाल अश्विन ने गिल की बल्लेबाजी की सराहना की, लेकिन बतौर कप्तान उनकी क्षमताओं पर सवाल खड़े किए। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने वनडे में भारतीय मध्यक्रम की जमकर आलोचना की और संसाधन प्रबंधन में स्पष्टता की कमी को उजागर किया। इस वजह से भारत को दूसरा और तीसरे वनडे में हार का मुंह देखना पड़ा था। अश्विन ने यह भी बताया कि कप्तानी के जिन पहलुओं में गिल को कठिनाई हुई, वे वही पहलू हैं जिनमें एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे कप्तानों ने अपने कार्यकाल के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। 'गिल ने सर्वश्रेष्ठ संसाधनों का इस्तेमाल नहीं किया' अश्विन के मुताबिक, जब मैच में रिस्क था, तब गिल अपने सर्वश्रेष्ठ संसाधनों का बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने में नाकाम रहे। अश्विन ने कुलदीप के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाया, खास तौर पर तीसरे वनडे में डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ। अश्विन ने कहा, 'हम रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी की इतनी तारीफ क्यों करते हैं? क्योंकि उन्हें पता था कि अपने संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कैसे और किस बल्लेबाज के खिलाफ करना है। यह इस सीरीज में मुझे मिसिंग दिखी।' 'पिछले मैच को देखकर भरोसा कम नहीं करना चाहिए' अश्विन का सुझाव था कि गिल के निर्णय पिछली असफलताओं से प्रभावित थे। इसी वजह से वह तीसरे और निर्णायक वनडे के दौरान गेंदबाजों पर उनका भरोसा कम हो गया था। उन्होंने कहा, 'आपको पिछले मैच के आधार पर किसी गेंदबाज पर भरोसा नहीं खोना चाहिए। पिछले मैच में जो हो गया वो गया, लेकिन उसकी वजह से अगले मैच में आपको धारणा नहीं बनानी चाहिए। दूसरे वनडे के बाद तीसरा वनडे एक नई जगह पर था, एक नई पिच थी।' अश्विन ने कुलदीप को लेकर की गिल की आलोचना अश्विन के विश्लेषण में सबसे तीखी टिप्पणी गिल द्वारा स्टार खिलाड़ी कुलदीप यादव के खिलाफ अपनाई गई रणनीति को लेकर थी। अश्विन का तर्क था कि गिल की सख्त कप्तानी न्यूजीलैंड के मध्य क्रम, विशेष रूप से ग्लेन फिलिप्स की स्पष्ट तकनीकी कमजोरियों का फायदा उठाने में विफल रही। अश्विन ने समझाया, 'अगर ग्लेन फिलिप्स को मध्य के ओवरों में कुलदीप यादव का सामना करना पड़ता तो यह देखना दिलचस्प होता। मैं वो दो ओवर का स्पेल जरूर देखता।'

लगातार पांचवीं जीत के साथ प्लेऑफ में पहुंची आरसीबी, पहली टीम बनी; गुजरात को 61 रन से हराया

वडोदरा (एजेंसी)। आरसीबी ने गुजरात को 61 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन गई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुजरात जाएंट्स को 61 रन से हरा दिया। महिला प्रीमियर लीग 2026 में यह आरसीबी की लगातार पांचवीं जीत है। इसी के साथ स्मृति मंधाना की शीर्ष पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंच गई। सोमवार

को वडोदरा में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में छह विकेट पर 178 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम निर्धारित ओवरों में 117 रन ही बना सकी। आरसीबी की पारी पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज नौ रन पर ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वॉल के विकेट गंवा दिए। इसके बाद गौतमी नाइक ने पारी को संभालते हुए शानदार अर्धशतक जड़ा। कप्तान स्मृति मंधाना के साथ उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 60 रनों की अहम साझेदारी की। मंधाना के आउट होने के बाद नाइक ने ऋचा घोष के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। नाइक ने 55 गेंदों में 73 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि ऋचा घोष ने आक्रामक अंदाज में 27 रन बनाए। अंत में राधा यादव की तेजतर्रार पारी की बदौलत आरसीबी ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 178 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। गुजरात जाएंट्स की पारी 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जाएंट्स की टीम शुरूआत से ही दबाव में नजर आई। पावरप्ले में ही टीम ने बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, अनुष्का शर्मा और कनिका आहूजा जैसे अहम विकेट गंवा दिए। शुरूआती झटकों से टीम उबर नहीं सकी। कप्तान एश्ले गार्डनर ने 43 गेंदों में 54 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली और भर्ति फुलमाली ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन रन रेट का दबाव लगातार बढ़ता गया।

अब आईसीसी को ही आंखें दिखा रहा बांग्लादेश, अल्टीमेटम पर खेल सलाहकार ने क्या दी प्रतिक्रिया?

ढाका (एजेंसी)। आईसीसी ने हाल ही में बांग्लादेश को स्पष्ट कहा था कि उसे टी20 विश्व कप के मैच भारत में खेलने होंगे। अब बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने इसे लेकर तल्ख टिप्पणी की है। बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने टी20 विश्व कप को लेकर दिए गए अल्टीमेटम पर क्रिकेट की वैश्विक संस्था आईसीसी को ही घेर लिया है। नजरुल ने आसीसी को चेतावनी दी है और कहा है कि वह उनके दबाव के आगे नहीं झुकेगा। आईसीसी ने हाल ही में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को साफ कह दिया था कि टीम को भारत में ही खेलना होगा, नहीं तो उसकी जगह दूसरी टीम को शामिल किया जाएगा। आईसीसी ने बीसीबी को अपना फैसला बताने के लिए 21 जनवरी तक का समय दिया है। 'अनुचित शर्तों को नहीं करेंगे स्वीकार' आईसीसी के अलटीमेटम पर अब खेल सलाहकार नजरुल ने प्रतिक्रिया दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नजरुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें स्कॉटलैंड को हमारी जगह शामिल किए जाने के बारे में कुछ भी पता नहीं चला है। यदि आईसीसी हमारे ऊपर दबाव डालता है या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आगे झुक जाता है और कोई अनुचित शर्तें थोपता है तो हम उन शर्तों को स्वीकार नहीं करेंगे। आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच

पिछले एक सप्ताह में दो दौर की बैठकें हुईं। शनिवार को ढाका में हुई बैठक में बीसीबी ने अपना रुख दोहराया कि वे वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में नहीं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका का विकल्प दिया, जो टी20 वर्ल्ड कप का सह-आयोजक भी है, लेकिन आईसीसी ने शेड्यूल और ग्रुपिंग में बदलाव से साफ इनकार कर दिया। बीसीबी की ओर से जताई गई मुख्य आपत्ति सुरक्षा को लेकर है। बोर्ड का कहना है कि भारतीय जमीन पर खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जोखिम है। हालांकि, आईसीसी इस पर सहमत नहीं है और उसका कहना है कि मौजूदा शेड्यूल ही लागू रहेगा और बांग्लादेश ग्रुप सी का हिस्सा बना रहेगा। विश्व कप को शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं रह गया है और अब भी बांग्लादेश के खेलने को लेकर संशय जारी है। नजरुल ने भारत-पाकिस्तान का दिया उदाहरण नजरुल ने कहा, हम पर अनुचित और अवास्तविक दबाव डालकर भारत में खेलने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे कई उदाहरण हैं जब भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया और आईसीसी ने आयोजन स्थल बदल दिया। हमने भी तर्कसंगत कारण से आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध किया है। वे अनुचित और तर्कहीन दबाव डालकर हमें भारत में खेलने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। कोलकाता और मुंबई में खेलने है मुकाबले टी20 विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी से हो रही है। बांग्लादेश की टीम फिलहाल ग्रुप सी में शामिल है जिसमें वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल भी मौजूद है। मौजूदा शेड्यूल में बांग्लादेश अपने लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलेगा। बांग्लादेश टीम का पहला मुकाबला सात फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम अपने दो और ग्रुप मैच कोलकाता में खेलेगी और अंतिम मैच मुंबई में होगा।

टूनामेंट से नाम वापस लेंगे कैस्पर रूड? ऐसा करने वाली 28 साल में पहली इंडोनेशियाई बनीं जैनिस

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन के एक ही दिन विश्व टेनिस ने तीन अनोखे पल देखे। इंडोनेशिया की जैनिस त्जेन ने इतिहास रचते हुए 28 साल बाद जीत दर्ज की, यूक्रेन की ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा हार

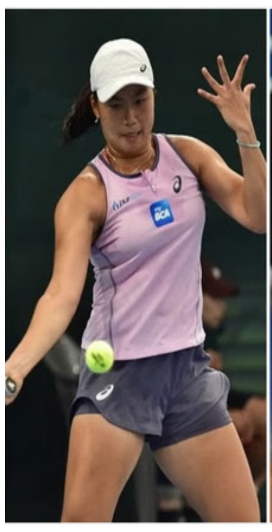

के बावजूद अपने सैनिक पिता को गर्व महसूस कराने के लिए मुस्कुराती रहीं, जबकि नॉर्वे के कैस्पर रूड अपने तीसरे राउंड में पहुंचने के बावजूद हर पल घर से आने वाली डिलीवरी कॉल का इंतजार करते दिखे। इंडोनेशिया की युवा टेनिस खिलाड़ी जैनिस त्जेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मंगलवार को एक ऐसा उपलब्धि हासिल किया, जिसका इंतजार 1998 से था। त्जेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेला फर्नांडीज को सीधे सेटों में 6-2, 7-6(7/1) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। 23 वर्षीय त्जेन इस जीत के साथ 28 साल बाद पहली इंडोनेशियाई खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मुख्य ड्रॉ मैच जीता। इससे पहले यह उपलब्धि यायुक बासुकी ने 1998 में हासिल की थी। यूक्रेन की ओलिन्यकोवा और साहस की कहानी दूसरी ओर, यूक्रेन की ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा ने भले ही डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज से 7-6(8/6), 6-1 से हार झेली, लेकिन उनका साहस पूरे एरेना को भावुक कर गया। 25 वर्षीय ओलिन्यकोवा ने कहा, 'यह मेरे करियर का सबसे अच्छा अनुभव है। इसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' ओलिन्यकोवा ने यूएस ओपन से पहले अपनी ट्रेनिंग कीव में ही जारी रखी, जबकि शहर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों की चपेट में रहा। उन्होंने साझा किया, 'एक विस्फोट मेरे घर के पास हुआ। ड्रोन मेरे सामने वाली बिल्डिंग से टकराया। मेरा अपार्टमेंट धमाके से हिल रहा था।' उनके पिता यूक्रेनी सेना में तैनात हैं। हार के बाद भी वह मुस्कुराती रहीं और बोलीं, 'मुझे पता है कि यह उनका सपना था मुझे इस कोर्ट पर खेलने का। मैंने उनका सपना पूरा किया। अब मैं उन्हें और ज्यादा गर्व महसूस कराना चाहती हूं।' यह मैच सिर्फ टेनिस नहीं, बल्कि युद्धकाल में मानवीय दृढ़ता की कहानी था। कैस्पर रूड टूनामेंट से हट सकते हैं दूसरी ओर नॉर्वे के कैस्पर रूड ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर में पहुंच चुके हैं, लेकिन उनका मन पूरी तरह कोर्ट पर नहीं है। रूड जल्द ही पिता बनने वाले हैं और उनकी पत्नी मारिया किसी भी समय डिलीवरी पर जा सकती हैं। रूड ने कहा, 'मुझे मारिया का शुक्रिया करना होगा कि उन्होंने मुझे आने दिया। मेरे फोन की रिंगर हर समय ऑन रहती है। अगर वह लेबर में गईं, तो मैं अगले दिन यहां नहीं रहूंगा।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'जिंदगी में सिर्फ टेनिस ही सब कुछ नहीं है। मैं यहां तब तक रहूंगा, जब तक मारिया चाहेंगी।' टेनिस में प्रोफेशनलिज्म और निजी जीवन के बीच संतुलन का यह एक मानवीय उदाहरण है। एक तरफ त्जेन ने इतिहास रचा, दूसरी तरफ ओलिन्यकोवा ने साहस दिखाया, और रूड ने साबित किया कि खिलाड़ी भी इंसान हैं।

बाजार में भारी गिरावट; सेंसेक्स 1065 अंक गिरा, जानें निवेशकों के कितने डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1065.71 अंक गिरकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 353.00 अंक गिरकर 25,232.50 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की

गिरावट की दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1065.71 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 1,235.6 अंक या 1.48 प्रतिशत गिरकर 82,010.58 पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 353.00 अंक या 1.38 प्रतिशत गिरकर 25,232.50 पर बंद हुआ। नौ लाख करोड़ रुपये का नुकसान बाजार में जारी गिरावट के बीच बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के निवेशकों की संपत्ति को बड़ा झटका लगा। दिनभर के कारोबार में बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण करीब नौ लाख करोड़ रुपये घट गया। यह गिरावट साल की शुरूआत से जारी कमजोरी को और गहरा करती है। वर्ष की शुरूआत से अब तक बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियां कुल मिलाकर ?20 लाख करोड़ से अधिक के मार्केट कैप का नुकसान झेल चुकी हैं। शेयर बाजार में गिरावट के 10 मुख्य कारण क्या हैं? शेयर बाजार में आज आई तेज गिरावट के पीछे कई अहम वजहें रहीं, जिनका सीधा असर निवेशकों की धारणा पर पड़ा। इन्हें इस तरह भी समझा जा सकता है, 1. व्यापार युद्ध की बढ़ती चिंता अमेरिका की टैरिफ नीतियों को लेकर अनिश्चितता और अमेरिका-यूरोप के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव ने वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ा दी। 2. विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक ही दिन में 3,262 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली की। यह लगातार दसवां सत्र रहा जब एफआईआई बाजार से बाहर निकले। 3. तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजे विप्रो जैसी दिग्गज कंपनियों के निराशाजनक नतीजों और कमजोर आउटलुक ने आईटी शेयरों पर दबाव बनाया। शुरूआती तीसरी तिमाही के नतीजे उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स में 1% से ज्यादा की गिरावट ने घरेलू निवेशकों का भरोसा डगमगा दिया।

एसआईआर सुनवाई के लिए पेश हुए क्रिकेटर शमी, फॉर्म में अनियमितता पर चुनाव अधिकारियों ने किया था तलब

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय पेसर मोहम्मद शमी मंगलवार को कोलकाता में चुनाव अधिकारियों के सामने रक्फ़सुनवाई हेतु पेश हुए। उनके वोटर फॉर्म में अनियमितता होने पर उन्हें और उनके भाई मोहम्मद कैफ को नोटिस भेजा गया था। क्रिकेट प्रतिबद्धताओं की वजह से पिछली तारीख पर अनुपस्थित रहने के बाद शमी ने नई निर्धारित तारीख पर दस्तावेज जमा किए। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को पश्चिम बंगाल में जारी रक्फ़(एसआईआर/विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया

के तहत चुनाव अधिकारियों के सामने पेश हुए। अधिकारियों के मुताबिक, उनके वोटर एन्यूमरेशन फॉर्म में कुछ अनियमितता पाई गई थीं, जिसके चलते उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया था। शमी दक्षिण कॉलकाता के बिक्रमगढ़ क्षेत्र स्थित एक स्कूल में आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचे और सुनवाई में हिस्सा लिया। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके फॉर्म में कुछ कॉलम भरे नहीं गए थे या उनमें गलतियां पाई गईं, जिसके कारण यह प्रक्रिया आवश्यक बनी। सुनवाई के बाद शमी ने क्या कहा? सुनवाई पूरी होने के बाद, शमी ने कहा कि एसआईआर (चुनाव आयोग) हर किसी की जिम्मेदारी है और इस प्रक्रिया के दौरान सभी को सहयोग करना चाहिए। शमी ने पत्रकारों से कहा, 'कोई समस्या नहीं है। एसआईआर हर किसी का अधिकार है और हम सभी को इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है। इससे किसी को कोई नुकसान नहीं हो रहा है।' शमी ने कहा, 'मुझे कोई परेशानी नहीं हुई और उन्होंने (चुनाव अधिकारियों ने) इसे अच्छे से संभाला। मैं पिछले 25 वर्षों से यहीं रह रहा हूं। अगर वे मुझे दोबारा बुलाते हैं, तो मैं फिर आऊंगा।' वहीं, अधिकारी के मुताबिक, शमी सुनवाई प्रक्रिया के हिस्से के रूप में अपने पासपोर्ट के साथ उपस्थित हुए, जो लगभग 15 मिनट के भीतर पूरी हो गई। चुनाव आयोग ने न केवल मोहम्मद शमी बल्कि उनके भाई मोहम्मद कैफ को भी सुनवाई के लिए नोटिस जारी किया है। दोनों कोलकाता नगर निगम के वार्ड नंबर 93 के मतदाता सूची में शामिल हैं, जो रशबेहारी विधानसभा क्षेत्र के तहत आता है। एक अधिकारी के मुताबिक, 'शमी पिछले निर्धारित दिन सुनवाई में शामिल नहीं हो पाए थे क्योंकि वह विजय हजारे ट्रॉफी में बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए राजकोट में थे। इसलिए उन्हें नई तारीख दी गई थी।

रुपया एक महीने में दूसरी बार 91 से नीचे, पीएनबी को 5,100 करोड़ रुपये का फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को 12 पैसे टूटकर 90.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 91 के नीचे पहुंच गया था।?वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच विदेशी मुद्रा निकासी में तेजी से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। एक महीने में यह दूसरा मौका है, जब रुपया 91 के नीचे पहुंच गया।?अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.68 के स्तर पर खुला। पीएनबी को 5,100 करोड़ रुपये का फायदा खराब कर्जों में कमी से पंजाब

नेशनल बैंक को दिसंबर तिमाही में 5,100 करोड़ का लाभ हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 13 फीसदी अधिक है। बैंक के एमडी-सीईओ अशोक चंद्र ने बताया, बैंक का का सबसे अधिक तिमाही लाभ है। हमारा लक्ष्य हर तिमाही में 5,000 करोड़ से अधिक शुद्ध लाभ हासिल करना है। एनपीए घटकर 3.19 फीसदी रहा। कारोबार 28.91 लाख करोड़ रुपये रहा। आईआरएफसी को 1,802 करोड़ का लाभ इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लि. (आईआरएफसी) को तीसरी तिमाही में 1,802 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि से यह 10.51 फीसदी अधिक है। आय मामूली घटकर 6,719 करोड़ रह गई। खर्च भी घटकर 4,917 करोड़ रह गया। नेटवर्थ बढ़कर 52,046 करोड़ हो गई। कंपनी ने नौ महीनों में 60,000 करोड़ के वार्षिक स्वीकृत लक्ष्य को हासिल कर लिया। यूको बैंक को 739 करोड़ का फायदा सरकारी क्षेत्र के यूको बैंक को तीसरी तिमाही में 739.51 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में यह 15.76 प्रतिशत अधिक है।

अभ्यास सत्र में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सबसे लंबा छक्का मारने का कॉम्पिटीशन

नागपुर (एजेंसी)। भारत ५२ न्यूजीलैंड टी20 सीरीज से पहले भारतीय टीम का अभ्यास सत्र काफी मनोरंजक रहा। हार्दिक ने नेट्स में जोरदार छक्कों के साथ सबसे लंबा छक्का मारने का मजेदार कॉम्पिटीशन जीतते हुए खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मनोरंजन किया। उनकी और जसप्रीत बुमराह की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी, जबकि सूर्यकुमार यादव अपनी कप्तानी में भारत को सफलता दिलाने की कोशिश करेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है और इससे पहले भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में कुछ ऐसा हुआ जिसने खिलाड़ियों के साथ फैंस को भी उत्साहित कर दिया। नेट्स में अभ्यास के दौरान टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने सबसे लंबा छक्का मारने का मजेदार कॉम्पिटीशन किया, जिसमें ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अपने पावर-हिटिंग से माहौल गरमा दिया। हार्दिक एशिया कप में लगी चोट की वजह से लंबे समय तक टीम से बाहर रहे थे। अब वह पूरी तरह फिट होकर वापसी कर रहे हैं और उनकी वापसी ने टीम की बैलेंसिंग और रणनीति दोनों को मजबूती दी है। हार्दिक ५२ बाकी खिलाड़ी- सबसे लंबा छक्का किसका? बीसीसीआई ने अभ्यास सत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें हार्दिक नेट्स में गेंदों को स्टैंड्स में भेजते दिखे। वीडियो में हार्दिक ने स्टैंड्स में बैठे कुछ लोगों से कहा कि जरा साइड हो जाएं क्योंकि गेंद ऊपर जाएगी। इस पर हेड कोच गौतम गंभीर ने मजाक में पूछा, 'तुम कहां लक्ष्य साध रहे हो? नॉर्थ विंग?' इस पर हार्दिक ने हंसते हुए जवाब दिया, 'स्टैंड्स में फर्स्ट टीयर पर।'

संसद बिजली संशोधन बिल आया तो देशव्यापी विरोध अनिवार्य

लखनऊ (संवाददाता)।विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने कहा है कि केन्द्र सरकार के समक्ष दर्ज किए गए स्पष्ट और प्रबल विरोध के बावजूद यदि संसद के आगामी बजट सत्र में इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 पेश किया जाता है, तथा इसे जल्दबाजी में पारित करने की कोई भी कोशिश की जाती है, तो देशभर में व्यापक और तीव्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।संघर्ष समिति ने कहा कि यह संशोधन विधेयक बिजली वितरण के निजीकरण को बढ़ावा देने वाला है।यदि इसे आगे बढ़ाया गया, तो उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंताकृदेशभर के 27 लाख बिजली कर्मियों के साथकृसीधी कार्यवाही करने को बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की होगी।समिति ने बताया कि 12 जनवरी को केंद्रीय विद्युत सचिव द्वारा बुलाई गई ऑनलाइन बैठक में सभी कर्मचारी संगठनों ने एक स्वर में स्पष्ट कर दिया था कि इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।इसके अतिरिक्त, 09 दिसंबर 2021 को केंद्रीय कृषि सचिव द्वारा संयुक्त किसान मोर्चा को लिखित आश्वासन दिया गया था कि यह विधेयक किसानों और सभी स्टेकहोल्डर्स की सहमति के बिना संसद में प्रस्तुत नहीं किया जाएगा।

पता नहीं मैं वापस आऊंगी या नहीं, नेहा कक्कड़ ने पहले की ब्रेक की घोषणा फिर डिलीट किया पोस्ट

सिंगर नेहा कक्कड़ ने अपनी लेटेस्ट सोशल मीडिया अनाउंसमेंट से अपने फैंस को हैरान कर दिया है। नेहा ने अनाउंस किया है कि वह अपनी ष्जिम्मेदारियों, रिश्तों और कामष्से ब्रेक ले रही हैं।नेहा कक्कड़ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा-अब जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और अभी मैं जिन भी चीजों के बारे में सोच सकती हूं, उन सबसे ब्रेक लेने का समय आ गया है। पक्का नहीं पता कि मैं वापस आऊंगी या नहीं धन्यवाद। नेहा जो सोशल मीडिया और स्टेज पर अपनी मौजूदगी के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने इस बारे में ज्यादा डिटेल में नहीं बताया कि उन्होंने यह फैसला क्यों लिया। अपनी पहली पोस्ट करने के बाद, नेहा ने अपनी प्राइवेसी के बारे में एक और मैसेज जारी किया, जिसमें उन्होंने खास तौर पर फैन्स और पैपराजी से रिक्वेस्ट की कि इस दौरान उनकी फिल्मिंग या तस्वीरें न लें। सिंगर ने सीधे जनता और मीडिया से पर्सनल स्पेस की अपनी जरूरत के बारे में बात की और एक और पोस्ट में लिखा, और मैं पैपराजी और फैन्स से रिक्वेस्ट करती हूं कि मुझे बिल्कुल भी फिल्म न करें। मुझे उम्मीद है कि आप मेरी प्राइवेसी का सम्मान करेंगे और मुझे इस दुनिया में आजादी से जीने देंगे। प्लीज कोई कैमरा नहीं! यह सबसे कम है जो आप सब मुझे मेरी शांति के लिए दे सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि नेहा कक्कड़ ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को पोस्ट करने के कुछ ही मिनटों बाद डिलीट कर दिया, जिससे फैंस कन्फ्यूज और परेशान हो गए। उनकी पोस्ट तुरंत सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, और कई फैंस ने सिंगर के इस कदम पर हैरानी जताई। यह सब तब हुआ जब नेहा ने 15 दिसंबर, 2025 को अपना लेटेस्ट गाना कैंडी शॉप (जिसे इसके हुक, लॉलीपॉप के नाम से भी जाना जाता है) रिलीज किया। इस गाने को लेकर नेहा और उनके भाई टोनी कक्कड़ को सोशल मीडिया पर काफी आलोचना झेलनी पड़ी। गाने की अजीब कोरियोग्राफी की सोशल मीडिया यूजर्स ने आलोचना की, जिन्होंने इस जोड़ी पर दुनिया भर में ज्ञ-पॉप एस्थेटिक्स को कॉपी करने में नाकाम रहने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने इतना गंदा एक्सप्रेशन दिया..शख्स ने रिवील किया कियारा का ऑफ कैमरा एटीट्यूड, बताया मां के साथ कैसे आई पेश

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। फैंस हमेशा एक्ट्रेस की एक्टिंग, लुक्स और उनके अंदाज की तारीफ करते

नजर आते हैं। इन सबके बीच एक शख्स ने बताया कि कियारा ऑन द स्क्रीन तो सबका दिल जीतती है, लेकिन ऑफ स्क्रीन वो कैसी है इसे लेकर उसने अपना अनुभव शेयर किया। हाल ही में एक शख्स ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह बताता है वो अपनी मां के साथ दिल्ली-जयपुर फ्लाइट में बिजनेस क्लास में ट्रैवल कर रहा था, लेकिन गलती से उसकी मां गलत सीट पर बैठ गईं। जिस सीट पर उसकी मां बैठी थी वो कियारा की सीट थी। शख्स ने आगे बताया कि जब कियारा वहां आईं और उन्होंने देखा कि उनकी सीट पर मेरी मां बैठी है तो उन्होंने इतना गंदा एक्सप्रेशन दिया कि जैसे उस सीट पर कोई नॉन सेलिब्रिटी इंसान बैठ ही नहीं सकता है। मालूम हो, इससे पहले कैबिन क्रू की एक लड़की भी कियारा के इस तरह के एटीट्यूड के बारे में बता चुकी है। उन्होंने बताया था कि कियारा हद से ज्यादा फेक एटीट्यूड दिखाती है, जबकि जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे काफी प्यारी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी को आखिरी बार ऋतिक रोशन के साथ वॉर 2 में देखा गया था। वहीं अब कियारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। फिल्म से पिछले दिनों एक्ट्रेस का लुक भी सामने आया था, जिसे काफी पसंद भी किया गया था। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जल्द ही दूसरे बच्चे के पिता बनेंगे जवान डायरेक्टर एटली

पत्नी संग रोमांटिक तस्वीरें शेयर कर सुनाई गुड न्यूज

फिल्म जवान के डायरेक्टर एटली ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की हैं। डायरेक्टर की फैमिली में इजाफा होने वाला है। जी हां, आप ससही समझ रहे हैं। एटली की पत्नी प्रिया मोहन फिर से प्रेग्नेंट हैं। यानी ये कपल जल्द ही दूसरे बच्चे के माता-पिता बनने वाला है। इस गुड न्यूज को प्रिया और एटली ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर किया है। एटली और प्रिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जॉइंट पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा-हमारा घर हमारे नए सदस्य के आने से और भी ज्यादा आरामदायक होने वाला है! हाँ! हम फिर से प्रेग्नेंट हैं हमें आपके सभी आशीर्वाद, प्यार और प्रार्थनाओं की जरूरत है प्यार के साथ एटली, प्रिया, मीर, बेकी, यूकी, चॉकी, कॉफी और गूफी। शेयर की गई इन तस्वीरों में पहली फोटो में प्रिया और एटली अपने पहले बच्चे के साथ नजर आ रहे हैं और प्रिया अपना बड़ा सा बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अगली तस्वीरों में एटली की वाइफ अपने पति की बाहों में रोमांटिक अंदाज में अपना बंप शो कर रही हैं। फैंस कपल के इस पोस्ट पर खूब प्यार लुटा रहे हैं और इस गुड न्यूज पर उन्हें बधाई दे रहे हैं। बता दें, इस कपल ने 31 जनवरी, 2023 को अपने पहले बच्चे के आने की घोषणा की। जवान के डायरेक्टर ने यह खबर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कर लिखा थारू वे सही थे। दुनिया में ऐसी कोई फीलिंग नहीं है। और बस, हमारा बेबी बॉय आ गया है! पेरेंटहुड का एक नया रोमांचक एडवेंचर आज से शुरू होता है! आभारी। खुश। धन्य। काम के मोर्चे पर एटली राजा रानी, थेरी, मर्सल और बिगिल जैसी फिल्मों के डायरेक्शन के लिए जाने जाते हैं। शाहरुख खान की जवान-जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई-को डायरेक्ट करने के बाद, एटली ने वरुण धवन की बेबी जॉन में प्रोड्यूसर के तौर पर कमबैक किया। यह फिल्म, जो 2024 में रिलीज हुई थी, बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप रही।

सिनेमा में यही होना चाहिए, करण जौहर ने धुरंधर की राजनीति पर दी प्रतिक्रिया; फिल्म को लेकर कही ये बात

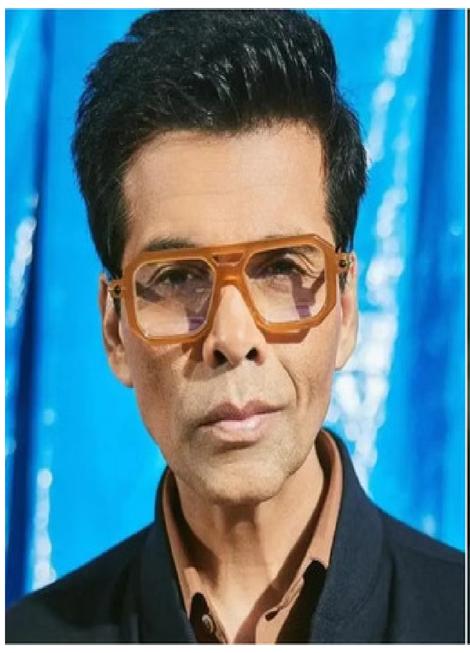

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 47 दिनों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर बनी हुई है। फिल्म ने कमाई के कई कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। दर्शकों से लेकर कई सेलेब्स तक ने धुरंधर की जमकर तारीफ की है। हालांकि, फिल्म की पॉलिटिक्स को लेकर एक बहस चलती रही। अब निर्देशक करण जौहर ने फिल्म की जमकर तारीफ करने के बाद, फिल्म की पॉलिटिक्स पर भी अपनी राय रखी है। करण ने की तारीफ क्व्ट्वठ के यूट्यूब चैनल पर एक संवाद के दौरान फिल्म की प्रशंसा करने के बाद फिल्म की पॉलिटिक्स को लेकर करण ने कहा कि सिनेमा के छात्र के रूप में उन्हें रणवीर सिंह अभिनीत यह फिल्म बहुत पसंद आई थी। धुरंधर को तकनीकी रूप से सशक्त बताते हुए निर्देशक ने कहा कि मैंने इसे पूरी तरह से देखा क्योंकि मुझे फिल्म निमार्ता की कला बहुत पसंद आई। मुझे कहानी कहने का तरीका बहुत अच्छा लगा। मुझे जिस तरह से उन्होंने इसे चैप्टर्स में बांटा वह बहुत पसंद आया। मुझे यह बात भी पसंद आई कि फिल्म का नजरिया आंतरिक था और यह किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि अपने तरीके से राजनीति के बारे में बात करती थी। मुझे फिल्म की राजनीति से कोई आपत्ति नहीं हालांकि, करण ने ये माना कि फिल्म को लेकर जनता की राय बंटी हुई है और दर्शकों का एक वर्ग इसके राजनीतिक रुख से सहमत नहीं है। हालांकि, निमार्ता ने माना कि उन्हें फिल्म की राजनीति से कोई आपत्ति नहीं है। सच कहूं तो मुझे फिल्म की राजनीति से कोई आपत्ति नहीं है। मुझे पता है कि फिल्म किस दिशा में जा रही है। मुझे पता है कि कुछ लोग इससे सहमत होंगे और कुछ असहमत और सिनेमा में यही होना चाहिए। फिल्म में किसी भी वैचारिक मुद्दे से मुझे कोई आपत्ति नहीं हुई। मैंने इसे फिल्म की कलात्मकता और सिनेमाई पहलू के लिए देखा और मुझे यह बेहद पसंद आई। मुझे लगा कि आदित्य धर की अपनी एक अनूठी शैली है और मुझे लगता है कि वे एक सशक्त और अनूठी आवाज बनकर उभरे हैं। स्पाई-थ्रिलर है धुरंधर आदित्य धर द्वारा निर्देशित धुरंधर देश में घटी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म में रणवीर सिंह ने भारत के जासूस का किरदार निभाया है। रणवीर सिंह के अलावा फिल्म में अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

रोहित सराफ के इस नए लुक के फैन हो जाएंगे आप, क्या नए किरदार की है तैयारी

रोहित सराफ का ट्रांसफॉर्मेशन हमेशा चर्चा में रहता है। फिर चाहे सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में उनका बॉय-नेक्स्ट-डोर लुक हो या जेम त्मअवसनजपवदंतपमे के लिए खुद को पूरी तरह ढालना। लेकिन हाल ही में उनका नया दाढ़ी वाला लुक सोशल मीडिया पर सबका ध्यान खींच रहा है। अब फैंस अंदाजा लगा

रहे हैं कि ये लुक उनके किसी नए किरदार के लिए है या उन्होंने यूं ही दाढ़ी बढ़ा ली है। पनवाड़ी स्टार ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह स्ट्राइप्ड डबल-ब्रेस्टेड कोट, चारकोल डेनिम्स, क्लासिक घड़ी और फॉर्मल जूतों में नजर आ रहे हैं। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान उनकी बिखरी हुई हेयरस्टाइल और घनी दाढ़ी ने खींचा। फैंस कमेंट कर रहे हैं, इस लुक से प्यार हो गया! इन तस्वीरों के बाद से चर्चा तेज हो गई है कि क्या ये उनके अगले किरदार का लुक है। अगर ऐसा है, तो दर्शकों के लिए ये किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं होगा। काम की बात करें तो सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में शानदार और दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस के बाद रोहित सराफ अब अपनी अगली सीरीज जेम त्मअवसनजपवदंतपमे के लिए तैयार हैं। यह सीरीज उन युवा भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों की कहानी दिखाती है, जो मानते थे कि अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए सशस्त्र संघर्ष जरूरी था। रोहित इस सीरीज की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी इस पीरियड ड्रामा सीरीज में रोहित सराफ के साथ भुवन बाम, प्रतिभा रांटा, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह भी नजर आएंगे। यह सीरीज संजीव सान्याल की मशहूर किताब त्मअवसनजपवदंतपमेरू जेम व्जीमत् जवतल व िभ्व्‌ प्दकपं ॅवद प्जे थ्तममकवउ पर आधारित है। यह 2026 में च्तपउम टपकमव पर दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में रिलीज होगी।

दीपिका-रणवीर की ही नहीं, पूरी फैमिली की जान है बेबी दुआ, दादी ने हाथ पर पोती के नाम की मेहंदी लगा जाहिर किया प्यार

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड के सबसे मजबूत और लोकप्रिय कपल्स में से एक हैं। इस कपल ने कुछ समय पहले ही एक प्यारी सी बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम उन्होंने दुआ रखा है। रणवीर और दीपिका ने अपनी लाडो का चेहरा भी दुनिया को दिखा दिया है। दुआ न सिर्फ दीपवीर की जान है, बल्कि वह पूरी फैमिली की धड़कन बन गई है। हाल ही में दादी यानी रणवीर सिंह की मां अंजू भवनानी ने भी अपनी पोती के लिए खास अंदाज में प्यार जाहिर किया है, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। दरअसल, रणवीर सिंह की

मां अंजू भवनानी हाल ही में एक शादी समारोह में शामिल हुई थीं। इस मौके पर उन्होंने लाइम ग्रीन रंग का खूबसूरत आउटफिट पहना। मेहंदी सेरेमनी के दौरान उन्होंने अपने हाथों में मेहंदी रचवाई और उसमें अपनी पोती दुआ का नाम लिखवाया। अंजू भवनानी ने अपने हाथ की मेहंदी की तस्वीर शेयर की, जिसमें दुआ नाम साफ नजर आ रहा है। यह तस्वीर सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। फैंस इस अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं और कमेंट्स के जरिए अपना प्यार बरसा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, दुआ की दादी कितनी कूल हैं, तो वहीं दूसरे ने कहा, दुआ की दादी बेस्ट हैं।बता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण 8 सितंबर 2024 को अपनी बेटी का स्वागत किया था। दुआ के आने के बाद से दोनों की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। अक्टूबर 2024 में कपल ने पहली बार अपनी बेटी का चेहरा फैंस को दिखाया था और दुआ के साथ कई प्यारी तस्वीरें शेयर की थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर सिंह इस समय अपने करियर के बेहतरीन दौर में हैं। उनकी फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है और साल 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। वहीं दीपिका पादुकोण भी मदरहुड एंजॉय करने के साथ-साथ अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं।

ई-रिक्शा पलटने से चालक की मौत, नहर किनारे मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह 7 बजे सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। यह हादसा नबीनगर गांव के पास उस समय हुआ, जब ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। मृतक की पहचान अर्जुन पाल (50) निवासी मलिहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को नहर किनारे सड़क से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के बेटे रिंकू ने बताया कि उनके पिता अर्जुन पाल मंगलवार तड़के करीब तीन बजे ई-रिक्शा लेकर घर से निकले थे। बताया जा रहा है कि नबीनगर गांव के पास अचानक सामने से कोई अज्ञात जंगली जानवर आ गया, जिससे ई-रिक्शा असंतुलित होकर पलट गया। हादसे के बाद अर्जुन पाल सड़क किनारे नहर के पास गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों को घटना की जानकारी तब मिली, जब स्थानीय लोगों ने नबीनगर गांव से लगभग डेढ़ किलोमीटर आगे नहर के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने शव की पहचान अर्जुन पाल के रूप में की। घटनास्थल के पास ही ई-रिक्शा भी पलटा हुआ मिला। मृतक के चेहरे, हाथ और पैरों पर गंभीर चोटों के कई निशान पाए गए। सूचना मिलने पर मलिहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए हैं। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ई-रिक्शा पलटने से ही चालक की मौत होने की बात सामने आ रही है।

ट्रंप बोले- शांति मेरी जिम्मेदारी नहीं

यूरोपीय नेताओं ने कहा- हम पर दबाव नहीं डाला जा सकता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर अपने सख्त रुख को नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने से जोड़ते हुए यूरोप की चिंता बढ़ा दी है। टैरिफ की धमकियों और सैन्य कार्रवाई के संकेतों के बीच अमेरिका और उसके सहयोगियों में तनाव गहराता जा रहा है, जबकि ग्रीनलैंड खुलकर विरोध में खड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर अपने आक्रामक रुख को पिछले साल उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार न दिए जाने के फैसले जोड़ा है। उन्होंने नॉर्वे के प्रधानमंत्री से कहा कि अब उन्हें 'केवल शांति के बारे में सोचने की कोई बाध्यता महसूस नहीं होती।' यह बात उन्होंने एक लिखित (टेक्स्ट) संदेश में कही, जिसे सोमवार को सार्वजनिक किया गया। यूरोपीय अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप ने यह संदेश नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे को भेजा। ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने की धमकियों के लेकर अमेरिका और उसके करीबी सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। ग्रीनलैंड, नाटो सदस्य डेनमार्क का एक स्वशासित क्षेत्र है। शनिवार को ट्रंप ने घोषणा की थी कि फरवरी में उन आठ देशों से आने सामान पर दस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा, जिन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के समर्थन में एकजुटता दिखाई है। इन देशों में नॉर्वे भी शामिल है। इन देशों ने ट्रंप के धमकियों की कड़ी आलोचना की है। अमेरिका के कई पुराने सहयोगी इस बात पर कायम रहे कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है। हालांकि उन्होंने अमेरिका से बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की। सोशल मीडिया पर एक बयान में यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने कहा कि यूरोपीय संघ 'टकराव नहीं चाहता', लेकिन वह 'अपनी स्थिति पर डटा रहेगा।' व्हाइट हाउस ने रणनीतिक रूप से अहम आर्कटिक द्वीप ग्रीनलैंड पर बलपूर्वक नियंत्रण की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। जब पूछा गया कि क्या ट्रंप ग्रीनलैंड पर हमला कर सकते हैं, तो डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने सोमवार को कहा, जब तक राष्ट्रपति खुद किसी विकल्प को खारिज नहीं करते, तब तक किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी सोमवार को तनाव कम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस मामले को शांत बातचीत के जरिए सुलझाया जा सकता है और सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सैन्य कार्रवाई की संभावना नहीं लगती। ट्रंप की धमकियों के खिलाफ ग्रीनलैंड में विरोध पिछले सप्ताहांत में हजारों ग्रीनलैंडवासियों ने अपने द्वीप पर कब्जे की किसी भी कोशिश के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन ने सोमवार को फेसबुक पोस्ट में कहा कि टैरिफ की धमकियां उनके रुख को नहीं बदलेंगी।

77वें गणतंत्र दिवस परेड के साक्षी बनेंगे 10,000 मेहमान, सरकार बोली- मकसद जन भागीदारी बढ़ाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस के मौके पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होने वाली परेड में देशभर से लगभग 10,000 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इसका उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वालों को सम्मानित करना और जन भागीदारी बढ़ाना है। इस साल 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली परेड को देखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 10,000 विशेष अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। आमंत्रित अतिथियों में आय और रोजगार सृजन में अनुकरणीय कार्य करने वाले, सर्वश्रेष्ठ नवप्रवर्तक, शोधकर्ता और स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूह और प्रमुख सरकारी पहलों के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले लोग शामिल हैं। जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से उन्हें आमंत्रित किया गया रक्षा मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सम्मानित करने और राष्ट्रीय महत्व के आयोजनों में जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से उन्हें आमंत्रित किया गया है।

इन विशेष अतिथियों को कर्तव्य पथ पर प्रमुख स्थान पर बैठाया जाएगा। समारोहों के अतिरिक्त, विशेष अतिथियों के लिए राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, प्रधानमंत्री संग्रहालय और दिल्ली के अन्य प्रमुख स्थानों के भ्रमण की व्यवस्था की गई है। उन्हें संबंधित मंत्रियों से बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा। इस बीच, 77वें गणतंत्र दिवस समारोह से पहले, खुफिया एजेंसियों से प्राप्त कई आतंकी खतरों की सूचनाओं के मद्देनजर, दिल्ली पुलिस ने कर्तव्य पथ और पूरे नई दिल्ली जिले में एक व्यापक, प्रौद्योगिकी-आधारित सुरक्षा तंत्र स्थापित किया है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह के लिए बैठने की जगहों का नाम भारतीय नदियों के नाम पर रखा गया है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की वैश्विक रिपोर्ट

टैरिफ युद्ध-एआई जोखिम वैश्विक कारोबार के लिए सबसे बड़ा खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। डब्ल्यूईएफ की यह रिपोर्ट सरकार, व्यापार और विभिन्न संगठनों से जुड़े लगभग 1300 नेताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में जियो इकोनॉमिक कन्फ्रन्टेशन यानी भू-आर्थिक टकराव कारोबार से जुड़ी चिंताओं की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2026 की दहलीज पर ऐसे दौर में खड़ी है, जहां भू-आर्थिक टकराव, तकनीकी अनिश्चितता और जलवायु संकट एक साथ दबाव बना रहे हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की ग्लोबल रिस्क्स रिपोर्ट 2026 के मुताबिक आने वाले

दो वर्षों में कारोबार के लिए सबसे बड़ा खतरा देशों के बीच बढ़ता आर्थिक और रणनीतिक टकराव (टैरिफ वॉर) है, जबकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से जुड़ी नकारात्मक संभावनाएं सबसे तेजी से उभरता जोखिम बनकर सामने आई हैं। रिपोर्ट दुनिया को ऐसे मोड़ पर बताती है जहां अस्थिरता सामान्य स्थिति बनती जा रही है। डब्ल्यूईएफ की यह रिपोर्ट सरकार, व्यापार और विभिन्न संगठनों से जुड़े लगभग 1300 नेताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है।

रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में जियो इकोनॉमिक कन्फ्रन्टेशन यानी भू-आर्थिक टकराव कारोबार से जुड़ी चिंताओं की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गया है। इसमें टैरिफ, नियमों, सप्लाई चेन और पूंजी प्रवाह को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति शामिल है। रिपोर्ट चेतावनी देती है कि इस तरह की प्रतिस्पर्धा वैश्विक व्यापार में बड़े संकुचन का कारण बन सकती है।

एआई से व्यापक तौर पर है रोजगार विस्थापन का खतरा इस सर्वेक्षण में सबसे चौंकाने वाला बदलाव कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े जोखिमों को लेकर देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एआई से बड़े पैमाने पर रोजगार विस्थापन हो सकता है जिससे आय असमानता, सामाजिक विभाजन, उपभोक्ता खर्च में गिरावट और आर्थिक-सामाजिक असंतोष का दुष्चक्र पैदा हो सकता है, भले ही उत्पादकता में भारी वृद्धि ही क्यों न हो। मशीन लर्निंग और क्वांटम कंप्यूटिंग का संगम रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि मशीन लर्निंग और क्वांटम कंप्यूटिंग का तेजी से हो रहा विकास एक सुपरचार्ज्ड तकनीकी परिदृश्य बना सकता है। इस स्थिति में ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं, जहां मानव नियंत्रण कमजोर पड़ जाए और जोखिम कई गुना बढ़ जाएं। अल्पकालिक जोखिमों में गलत सूचना और दुष्प्रचार दूसरे स्थान पर हैं, जबकि सामाजिक ध्रुवीकरण तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार आय असमानता अगले दस वर्षों में सबसे अधिक आपस में जुड़ा हुआ जोखिम बनी रहेगी।

टैरिफ तनाव के बीच दावोस में बोले स्कॉट बेसेंट, यूरोप के साथ अमेरिका के संबंध मजबूत

दावोस (एजेंसी)। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने दावोस में कहा कि यूरोप के साथ रिश्ते मजबूत हैं और तनाव कम होना चाहिए। हालांकि ट्रंप ने ग्रीनलैंड मुद्दे पर डेनमार्क का साथ देने वाले आठ देशों पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसके जवाब में यूरोपीय संघ जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप के संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने मंगलवार को कहा कि यूरोप के साथ अमेरिका के रिश्ते मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने व्यापारिक साझेदारों से अपील की कि वे गहरी सांस लें

और ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की नई टैरिफ धमकियों से पैदा हुए तनाव को शांत होने दें। क्या बोले अमेरिकी मंत्री? बेसेंट ने यह बात स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा, ₹मुझे लगता है कि हमारे संबंध पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हैं।₹ शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामान पर फरवरी से दस प्रतिशत आयात टैक्स लगाने का एलान किया था। इन देशों ने किया था डेनमार्क का समर्थन इन देशों ने ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की मांग के खिलाफ डेनमार्क का साथ दिया था। ट्रंप का कहना है कि चीन और रूस से खतरे को देखते हुए सुरक्षा कारणों से अमेरिका को इस इलाके की जरूरत है। ट्रंप की इन धमकियों से पूरे यूरोप में गुस्सा है और राजनयिक हलचल तेज हो गई है। यूरोपीय नेता जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इसमें जवाबी टैरिफ और यूरोपीय संघ के 'एंटी-कोर्सियन इंस्ट्रूमेंट' का पहली बार इस्तेमाल शामिल हो सकता है।

जनकपुर में बालेन शाह की हुंकार, बोले- भाषण नहीं काम करके दिखाऊंगा

जनकपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री पद के दावेदार बालेन शाह ने कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने काठमांडो के कार्यों का उदाहरण देते हुए जनता से काम का अवसर मांगा। काठमांडो

के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से पीएम पद के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह बालेन ने जनकपुरधाम में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान बालेन ने कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने काठमांडो के कार्यों का उदाहरण देते हुए जनता से काम का अवसर मांगा। अपने संबोधन मं बालेन ने कहा कि अयोध्या में प्रतिवर्ष 10 करोड़ पर्यटक पहुंचते हैं, वहीं जनकपुर की जानकी माता में महज 1 करोड़ पर्यटक ही आते हैं। विश्व प्रसिद्ध राम-जानकी विवाह स्थल होने के बावजूद लोग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जयपुर-बाली जाते हैं, क्योंकि सरकार ने मिथिला को आकर्षक नहीं बनाया। प्रदेशों को व्यापक स्तर पर सशक्त बनाने की बात संघीयता पर बोलते हुए बालेन ने कहा कि आरएसपी प्रदेशों को इतना सशक्त बनाना चाहती है कि उन्हें अधिकारों के लिए काठमांडो न जाना पड़े। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जनता को काठमांडो केवल पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए जाना चाहिए, प्रशासनिक तबादलों जैसे छोटे कामों के लिए नहीं। बालेन ने स्वीकार किया कि मेयर रहते हुए कई बार वे गन्ना किसान और मीटर ब्याज पीड़ितों के आंदोलनों में कानूनन मजबूर थे, फिर भी उन्होंने 35 पालिकाओं तक एम्बुलेंस पहुंचाई।

चीनी आबादी चौथे वर्ष भी घटी जन्म दर में 17% की गिरावट, भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश; चीन दूसरा

चीन (एजेंसी)। एक दशक बाद जन्म दर में 17% गिरावट के साथ चीनी आबादी फिर कम हुई है। कभी दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा चीन अब दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, जबकि भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। पीढ़ियों तक एक बच्चा नीति के जरिये आबादी को सीमित रखने के बाद अब चीन के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती पैदा हो गई है कि दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए कैसे राजी करें। चीन की लंबे समय तक चली एक-बच्चा नीति खत्म हुए एक दशक हो चुका है, लेकिन जन्म दर बढ़ाने के सरकारी प्रयास विफल ही रहे हैं। सोमवार को जारी आबादी

के ताजा आंकड़े यही संकेत देते हैं। एक दशक बाद जन्म दर में 17% गिरावट के साथ चीनी आबादी फिर कम हुई है। कभी दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा चीन अब दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, जबकि भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। सरकारी आंकड़े के मुताबिक 2025 में चीन की कुल जनसंख्या 1.404 अरब रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 लाख कम है। यह लगातार चौथा साल है जब देश की आबादी में गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़े के अनुसार, 2025 में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या सिर्फ 79.2 लाख रही, जो एक साल पहले की तुलना में 16.2 लाख यानी 17% कम है। बच्चे को पालने की लागत का दबाव ज्यादातर परिवारों का कहना है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी समाज में बच्चे की परवरिश की लागत और उससे जुड़ा दबाव बहुत बड़ी बाधा है। आर्थिक मंदी के दौर में जब घरों के लिए रोजमर्रा का खर्च उठाना भी कठिन हो गया है तो यह बोझ और भारी लगने लगा है। एशिया के अन्य देशों की तरह चीन भी गिरती प्रजनन दर की समस्या से जूझ रहा है। 2023 के बाद भारत ने चीन को पछाड़ा चीन 2023 तक दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश था, लेकिन तब उसे उसके पड़ोसी देश भारत ने पीछे छोड़ दिया। पांच वर्ष पूर्व चीन में जो प्रजनन दर सामने आई, उसे लेकर विशेषज्ञों का अनुमान है कि अब यह लगभग 1 तक आ गई है। यह चीन की आबादी को स्थिर रखने के लिए जरूरी 2.1 से भी काफी कम है। दशकों तक एक से अधिक बच्चे पैदा करने पर रोक लगाने के बाद सरकार ने 2015 में दो बच्चों की अनुमति दी और 2021 में इसे बढ़ाकर तीन कर दिया। चीन की सरकार ने जन्म दर बढ़ाने के लिए नकद सब्सिडी जैसी योजनाएं भी शुरू कीं।

असम में मवेशी चोरी के संदेह में भड़की हिंसा; आदिवासी समुदायों के बीच झड़प, एक की मौत

असम (एजेंसी)। असम के कोकराझार जिला में मवेशी चोरी के संदेह से शुरू हुई भीड़ हिंसा के बाद बोडो और आदिवासी समुदायों के बीच झड़पें हुईं, जिनमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। हालात बिगड़ने पर दोनों समुदायों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम किया, आगजनी की और करीगांव पुलिस चौकी पर हमला किया। असम के कोकराझार

जिले में मंगलवार को भीड़ हिंसा के बाद आदिवासियों के बीच कथित तौर पर झड़पें हुईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) तैनात किया गया है और इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। दरअसल, मवेशी चोरी के संदेह में सोमवार को भीड़ ने पांच लोग पर हमला किया था। आदिवासी समुदायों के लोगों ने पुलिस चौकी पर हमला किया गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को स्थिति तब और बिगड़ गई जब आदिवासी समुदायों ने करीगांव चौकी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, टायर और कुछ घरों को जला दिया, एक सरकारी कार्यालय में आग लगा दी और करीगांव पुलिस चौकी पर हमला कर दिया। कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगड़ने से रोकने और उसे नियंत्रित करने के लिए त्वरित कार्रवाई बल को तैनात किया गया है। इस आशंका को देखते हुए कि सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल भड़काऊ संदेशों और अफवाहों को और अधिक फैलाने के लिए किया जा सकता है, गृह विभाग ने अगले आदेश तक पूरे जिले में सभी मोबाइल सेवा प्रदाताओं की इंटरनेट/मोबाइल डेटा सेवा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। इस अवधि के दौरान वॉयस कॉल और फिक्स्ड टेलीफोन लाइनों पर आधारित ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी चालू रहेगी। पहले हमला किया, फिर वाहन को आग लगा दी सड़क निर्माण परियोजना से जुड़े पीड़ित सोमवार रात को औडांग क्षेत्र में एक स्थल निरीक्षण के बाद एक वाहन में लौट रहे थे।

सरकार-कुर्द लड़ाकों के बीच संघर्षविराम समझौता टूटने के कगार पर, फिर हुई झड़पें

कर के कई कैदी फरार

रक्का (सीरिया) (एजेंसी)। सीरिया सरकार और कुर्द-नेतृत्व वाली एसडीएफ के बीच संघर्षविराम के एलान के महज एक दिन में यह समझौता टूटता नजर आ रहा है और उत्तर-पूर्वी इलाकों में फिर से झड़पें शुरू हो गईं। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर जेलों के आसपास हिंसा और आईएस कैदियों के फरार होने का आरोप लगा रहे हैं। सीरिया सरकार और देश की मुख्य कुर्द-नेतृत्व वाले सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के एक दिन

बाद सोमवार को यह समझौता टूटता हुआ नजर आया। सोमवार को फिर से झड़पें शुरू होने के बाद एसडीएफ ने बयान जारी किया। इस बयान में उसने 'अपने सभी युवाओं' (लड़ाकों) से जवाबी कार्रवाई के लिए कतार में खड़े होने की अपील की। एसडीएफ के बयान में क्या कहा गया है? बयान में कहा गया, जैसे 2014 में हमारे साथियों ने कोबानी में ऐतिहासिक प्रतिरोध किया और उसे इस्लामिक स्टेट (आईएस) का कब्रिस्तान बना दिया था, वैसे ही आज हम उसी संकल्प के साथ कहते हैं कि हम अपने शहरों को आईएस की सोच वाले नए लोगों का कब्रिस्तान बनाएंगे, जिन्हें तुर्किये निर्देशित कर रहा है। सीरिया में झड़पें कहां हुईं? सीरिया के पूर्वोत्तर में दो जेलों के आसपास सरकार की सेनाओं और कुर्द लड़ाकों के बीच झड़पें हुईं। इन जेलों में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के सदस्य बंद हैं। एसडीएफ ने कहा कि कई उसके लड़ाके मारे गए और एक दर्जन से ज्यादा घायल हुए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।